हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 345 | मंगलवार 08 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ाई

जोधपुर। जोधपुर के आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू को गुजरात के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी राहत मिली गई है। कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ा दी है। हाईकोर्ट ने आसाराम को सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी शर्तों का पालन करने के लिए कहा है। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार की युगल पीठ में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने आसाराम को 30 जून तक की अंतरिम जमानत दे दी तो वकील ने अंतिम दिन छुट्टी होने की बात कहते हुए इसे 1 जुलाई तक करने का आग्रह किया। बता दें आसाराम 14 जनवरी से 31 मार्च तक अंतरिम जमानत पर था। ये पीरियड खत्म होने पर 1 अप्रैल को आसाराम ने सरेंडर कर दिया था। उसी रात स्वास्थ्य समस्या के चलते वह निजी अस्पताल में भर्ती हो गया था और अभी भी वहीं पर भर्ती है।

निजी स्कूलों से कोई सांठगांठ नहीं, आज ही बढ़ी हुई फीस पर रोक लगाए

-आतिशी की सीएम रेखा गुप्ता को बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी दिल्ली के निजी स्कूलों की फीस बढ़ाने के मामले पर लगातार भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ी कर रही है। आप का दावा है कि बीते 10 सालों से शिक्षा माफिया पर रोक लगी हुई थी लेकिन भाजपा सरकार के आते ही ये फिर सक्रिय हो गया है और स्कूल की फीस बढ़ाकर माता-पिता को लूटने का काम कर रहा है। आप की वरिष्ठ और सदन में नेता विपक्ष आतिशी ने मामले पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बड़ी चुनौती दी है। उनका कहना है कि अगर भाजपा की निजी स्कूलों से कोई सांठगांठ नहीं है, तब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को आज ही बढ़ी हुई स्कूल फीस पर रोक लगा देनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि ये मेरा रेखा को चैलेंज है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार से तीन बड़ी मांग की है। उन्होंने कहा, दिल्ली में हाहाकार मचा हुआ है। माता-पिता स्कूलों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूलों के गेट बंद किए गए हैं। माता-पिताओं को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा क्योंकि जब से भाजपा की सरकार बनी है स्कूलों ने बेतहाशा फीस बढ़ाने का काम शुरु किया है। स्कूलों को खुली छूट मिल गई है। आतिशी ने बताया कि बच्चों के माता-पिता हमें कॉल कर रहे हैं और कह रहे हैं कि किसी तरह बढ़ी हुई फीस को रुकवाइए। इसके बाद मैं सीएम रेखा गुप्ता से कहना चाहती हूं कि अगर भाजपा की इन प्राइवेट स्कूलों से सांठगांठ नहीं है, तब आप ही आज ही आदेश पारित कीजिए कि बढ़ी हुई फीस माता-पिता को नहीं देनी है और इस पर रोक लगा दीजिए। आतिशी की भाजपा सरकार से तीन मांग उन्होंने कहा, भाजपा सरकार से हमारी तीन मांग है। पहली फीस पर रोक लगाई जाए। दूसरी, जो स्कूल फीस बढ़ा रहे हैं, उनका ऑडिट कराए और तीसरी मांग ये कि ऑडिट होने के बाद किसी स्कूल को फीस बढ़ाने का अधिकार दिया जाए।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ बिल पर हंगामा, कार्यवाही स्थगित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ संशोधन बिल को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने वक्फ बिल पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव दिया था। प्रश्नकाल स्थगित करने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद सदन के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने 15 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। बजट सत्र के दौरान पहली बार सदन की कार्यवाही स्थगित की गई है। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नजीर गुरेजी और तनवीर सादिक के नेतृत्व में पार्टी के सदस्यों ने वक्फ कानून पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया। इस विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और कुछ निर्दलीय विधायकों समेत कुल नौ सदस्यों ने अध्यक्ष को नोटिस दिया था। इस प्रस्ताव का बीजेपी ने विरोध किया। सदन के नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में बीजेपी सदस्यों ने इसका विरोध किया जिससे सदन में शोरगुल शुरू हो गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने सदन के नियम हवाला देते हुए कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है इसलिए प्रश्नकाल स्थगित कर इस पर चर्चा नहीं की जा सकती है। अध्यक्ष की इस टिप्पणी के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी के सदस्यों ने विरोध जताया और प्रश्नकाल के स्थगन की मांग पर अड़ गए और अध्यक्ष के आसान के सामने आ गए । बीजेपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्य विधानसभा में नारेबाजी करने लगे। एनसी विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी वक्फ कानून का विरोध करती है। इस विधेयक पर चर्चा को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। हम इस विधेयक पर चर्चा करना चाहते हैं लेकिन जम्मू-कश्मीर एक मुस्लिम राज्य है। हम वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके सहयोगियों ने विधानसभा में काले झंडे भी दिखाए। वहीं पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि एनसी ने बीजेपी के मुस्लिम विरोधी अजेंडे का ठेका ले लिया है। राज्य की सरकार को तमिलनाडु की सरकार से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने खुलकर वक्फ विधेयक का विरोध किया और विधानसभा में इसके खिलाफ प्रस्ताव भी पास किया।

देश में अगले 11 दिन पड़ेगी भीषण गर्मी

- मप्र में हीटवेव...बाड़मेर में 26 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। 14 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी है। बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पिछले 26 साल में बाड़मेर में अप्रैल के पहले हफ्ते में यह सबसे ज्यादा तापमान है। अगले कुछ दिन गर्म से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मप्र में भी भीषण गर्मी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी है। भोपाल का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इस सीजन में यह सबसे ज्यादा है। प्रदेश के 13 जिलों में तापमान 40 से 42.2 डिग्री के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आज नीमच, मंदसौर, भिंड, मुरैना, श्योपुर और रतलाम में लू चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 11 दिन तक देश के अधिकतर राज्यों में लू चलने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने अनुमान लगाया है। 10 अप्रैल तक राजस्थान, गुजरात के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर जा सकता है। उत्तर प्रदेश में इस साल अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से ज्यादा रहने और हीटवेव चलने की आशंका है। दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहने का अनुमान है। रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा रह सकता है।

दिल्ली में तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा

बीते दिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.1 डिग्री ज्यादा है, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री कम 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। शहर में सोमवार को हीटवेव चलने और अधिकतम तापमान 41 डिग्री के आसपास रह सकता है।

आज पूर्वोत्तर राज्यों में ओले गिरने के आसार

केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, असम, मेघालय और अंडमान-निकोबार में मंगलवार को गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। आंध्र और पूर्वोत्तर राज्यों (असम, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, नगालैंड, मणिपुर) के कुछ हिस्सों में ओले भी गिर सकते हैं। कुछ राज्यों में रविवार को भी बारिश हुई है।

राष्ट्रपति मुर्मू का लिस्बन में हुआ भव्य स्वागत...

दो दशक बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति की ऐतिहासिक यात्रा

लिस्बन (एजेंसी)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार रात पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक है, खासतौर पर वर्ष 1998 के बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति की यह पहली पुर्तगाल यात्रा है। साथ ही यह द्रौपदी मुर्मु की पहली यूरोपीय राजकीय यात्रा भी है।

लिस्बन एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति मुर्मु का स्वागत पुर्तगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य ने गर्मजोशी से किया। इस यात्रा का आयोजन पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूज़ा के निमंत्रण पर किया गया है। यह दौरा न केवल भारत-पुर्तगाल के बीच गहराते संबंधों का प्रतीक है, बल्कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में भी अहम कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू 7 से 10 अप्रैल तक राजकीय दौरे पर रहेंगी। इस दौरे के तहत 7 और 8 अप्रैल को राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल में रहेंगी, जबकि 9-10 अप्रैल को वे स्लोवाकिया का दौरा करेंगी। गौरतलब है कि करीब 27 वर्षों में पहली बार कोई भारतीय राष्ट्रपति स्लोवाकिया का दौरा कर रही हैं। यह यात्रा स्लोवाकिया के नए राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के आमंत्रण पर हो रही है। यहां बताते चलें कि इससे पहले पिछली बार 1998 में राष्ट्रपति केआर नारायणन ने पुर्तगाल की राजकीय यात्रा की थी।

संविधान सुरक्षा सम्मेलन में बोले राहुल गांधी देश में दलित, आदिवासी सेकंड क्लास सिटीजन

बेगूसराय (एजेंसी)। बिहार दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संविधान सुरक्षा सम्मेलन में कहा है कि इस देश में अगर आप दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, ईबीसी, और महिला हो तो आप सेकेंड क्लास सिटीजन हो। ये मैं ऐसे ही नहीं पढ़ लिखकर बोल रहा हूं। तेलंगाना में हमने जातीय गणना करवाई। अगर आप तेलंगाना में उन लोगों की लिस्ट निकाले जिन्होंने बैंक से लोन लिया है तो उसमें कोई ईबीसी, दलित, आदिवासी नहीं मिलेगा।

राहुल ने कहा कि, अगर आप मजदूरों की लिस्ट निकालो, घर में काम करने वालों की लिस्ट निकालो तो 90 फीसदी दलित, आदिवासी, गरीब हैं। तेलंगाना का पूरा का पूरा डेटा हमारे हाथ में है, जो मोदी जी आपको नहीं देना चाहते हैं। मैंने मोदी जी को संसद में सामने से बोला कि ये जो 50 फीसदी आरक्षण की फेक दीवार बना रखी है, जो आप नहीं तोड़ेंगे तो हम तोड़ कर रहेंगे। 10-15 लोग हैं, जिन्होंने पूरे कॉरपोरेट सेक्टर को पकड़ के रखा है।

सरकार अडानी-अंबानी को फायदा पहुंचा रही

राहुल गांधी ने बिहार की नीतीश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बिहार में नीतीश सरकार जो काम कर रही है, उससे अडाणी-अंबानी को फायदा हो रहा है। हमारी सरकार आई तो हम लोगों के लिए काम करेंगे।

जातीय गणना कराने का किया वादा

राहुल ने कहा है कि देश में अगर आप दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, ओबीसी और महिला हो तो आप सेकेंड क्लास सिटीजन हैं। ये मैं ऐसे ही नहीं बोल रहा हूं। पढ़ लिखकर बोल रहा हूं। तेलंगाना में हमने जातीय गणना करवाई। उनका पूरा का पूरा डेटा हमारे पास है। इससे हम आपको आपका हक दिलवा सकते हैं। मोहन भागवत कहते हैं, जातीय गणना नहीं होनी चाहिए। अगर आपको चोट लगती है तो डॉक्टर कहता है कि एक्स-रे करो। इससे कुछ नुकसान नहीं होता। वहीं एक्स-रे हम कर रहे हैं।

मजदूरी करने वाले 90 फीसदी दलित-आदिवासी

राहुल ने कहा कि अगर आप मजदूरों की लिस्ट निकालो, घर में काम करने वालों की लिस्ट निकालो तो 90 फीसदी दलित, आदिवासी, गरीब हैं। तेलंगाना का पूरा का पूरा डेटा हमारे हाथ में है, जो मोदी जी आपको नहीं देना चाहते हैं। मैंने मोदी जी को संसद में सामने से बोला कि ये जो 50 फीसदी आरक्षण की फेक दीवार बना रखी है, जो आप नहीं तोड़ेंगे तो हम तोड़ कर रहेंगे। 10-15 लोग हैं, जिन्होंने पूरे कॉरपोरेट सेक्टर को पकड़ के रखा है।

पार्टी में हमने दलितों-पिछड़ों को हक दिया

राहुल गांधी ने कहा कि पहले हमारे जिलाध्यक्षों की लिस्ट में 2 तिहाई अपर कास्ट के लोग थे, लेकिन अब हमने दो तिहाई दलित-गरीबों को शामिल किया है। पार्टी में हमने सबको हक देने का फैसला किया है। बिहार के नेताओं से हमने साफ कहा है कि आपका काम यहां के गरीब लोगों को प्रतिनिधित्व देना है। उनके बीच रहकर काम करें। दलितों को राजनीति में लाकर बिहार का चेहरा बदलना चाहते हैं।

जनता पर महंगाई की मार... पेट्रोल कंपनियों पर भार

रसोई गैस 50 रूपए महंगी, एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए बढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को रसोई गैस 50 रूपए महंगा कर दिया, वहीं पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दी है। हालांकि, आधे घंटे बाद ये भी साफ किया कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी। अभी सरकार पेट्रोल पर 19.90 रुपए लीटर और डीजल पर 15.80 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पर 21.90 रुपए लीटर और डीजल पर 17.80 रुपए लीटर ड्यूटी लगेगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ड्यूटी को कच्चे तेल की घटी कीमतों से एडजस्ट किया जाएगा। अगर आगे भी कच्चे तेल के दाम घटे रहे तो पेट्रोल-डीजल के दामों में गिरावट आ सकती है।

घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया है। सोमवार को पेट्रोल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। अभी दिल्ली में गैस सिलेंडर 803 रुपए में मिलता है। दाम बढ़ने के बाद कीमत 853 रुपए हो जाएगी। वहीं उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के गैस सिलेंडर की कीमत 500 से बढ़कर 550 रुपए हो जाएगी। आखिरी बार सरकार ने 8 मार्च 2024 को महिला दिवस पर सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कटौती थी। तब दिल्ली में सिलेंडर 903 रुपए का था।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दाम बढ़ाए

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को लागत से कम कीमत पर सिलेंडर बेचने के कारण लगभग 41,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस घाटे को कम करने के लिए कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अप्रैल को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 44.50 रूपए तक घटाए थे। दिल्ली में इसकी कीमत 41 रूपए घटकर 1762 रूपए हो गईं। पहले ये 1803 रूपए में मिल रहा था। कोलकाता में यह 44.50 रूपए घटकर 1868.50 रूपए में मिल रहा है, पहले इसके दाम 1913 रूपए थे। मुंबई में सिलेंडर 1755.50 रूपए से 42 घटकर रूपए 1713.50 रूपए हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1921.50 रूपए का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 रूपए और मुंबई में 802.50 रूपए का मिल रहा है।

जम्मू-कश्मीर दौरे पर गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा बयान...

सही समय पर बहाल होगा पूर्ण राज्य का दर्जा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को भाजपा के 28 विधायकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और राज्य की सुरक्षा स्थिति, विकास पहलों तथा राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा सही समय पर बहाल किया जाएगा, जिससे राज्य के राजनीतिक पुनर्गठन की दिशा में एक नया संकेत मिला है। त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, भाजपा के जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुग, यूटी अध्यक्ष सत शर्मा, एलओपी सुनील शर्मा, सांसद जुगल किशोर शर्मा और गुलाम अली खटाना सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में सुरक्षा, संगठनात्मक रणनीतियों और आगामी चुनावों की रूपरेखा पर चर्चा हुई।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पीएम मोदी ने मोटापे पर जताई चिंता...

अच्छा स्वास्थ्य किसी भी समृद्ध समाज की नींव है, जीवनशैली में लाएं बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर देशवासियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मोटापे से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत फिटनेस को प्राथमिकता देना विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में अहम योगदान देना है।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आइए, हम एक स्वस्थ दुनिया बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करें। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान देती रहेगी और लोगों की भलाई के लिए कई क्षेत्रों में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य किसी भी समृद्ध समाज की नींव है। एक वीडियो संदेश में पीएम मोदी ने सदियों पुरानी कहावत- स्वास्थ्य ही परम सौभाग्य और परम धन है को याद दिलाया और भारत में बढ़ते मोटापे के संकट पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि आजकल हमारी जीवनशैली हमारे स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक 2050 तक 44 करोड़ से ज्यादा भारतीय मोटापे से पीड़ित होंगे। यह चिंता की बात है, यह कितना बड़ा संकट बन सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि स्वस्थ खाने की आदतें अपनाना, जैसे कि तेल का कम उपयोग, सिर्फ व्यक्तिगत फैसला नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

पीएम मोदी ने इस समस्या को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की और एक सरल सुझाव दिया कि मैं आज आपसे एक वादा लेना चाहता हूं कि हम सभी अपने खाना पकाने के तेल में 10 फीसदी की कमी करें। यह मोटापे को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। उन्होंने लोगों को अपनी दिनचर्या में नियमित शारीरिक गतिविधि जोड़ने के लिए भी प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हमें व्यायाम को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। अगर हम खुद को फिट रखते हैं, तो यह विकसित भारत की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मन की बात के एक एपिसोड में पीएम नरेंद्र मोदी ने वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की थी और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जोर दिया था। अपने संबोधन में उन्होंने एक चिंताजनक स्वास्थ्य प्रवृत्ति का जिक्र किया था, जिसमें डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के आधार पर भारत में मोटापे के बढ़ते मामलों की बात की थी।

उन्होंने कहा था कि भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे से प्रभावित है। हाल के वर्षों में इसका प्रचलन दोगुना हो गया है और बचपन में मोटापा चार गुना बढ़ चुका है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मोटापा हृदय रोग, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में छोटे लेकिन प्रभावी बदलाव इन जोखिमों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

बता दें पीएम मोदी ने मोटापे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान में शामिल होने के लिए दस प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया था। इनमें जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, उद्योगपति आनंद महिंद्रा, अभिनेता-राजनेता दिनेश लाल यादव, ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और मीराबाई चानू, अभिनेता मोहनलाल और आर माधवन, गायिका श्रेया घोषाल, राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, और इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी शामिल थे। पीएम मोदी ने इन सभी को प्रोत्साहित किया था कि वे इस अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए दस और व्यक्तियों को नामित करें, ताकि इसका असर और ज्यादा लोगों तक पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

चीनी मांझा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी, एक और गिरफ्तार, तीन लोगों की कट चुकी गर्दन

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में चीनी मांझे से सिपाही समेत तीन लोगों की गर्दन कटने की घटनाओं के बाद पुलिस ने सख्ती शुरू की है। पुलिस ने मोहल्लों में जागरूकता अभियान चलाते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि लगातार चेकिंग चलती रहेगी।

मुरादाबाद में दो दिन में चीनी मांझे से तीन लोगों की गर्दन कटने के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने शनिवार को भी चीनी मांझा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। शनिवार को पुलिस ने गली-मोहल्ले में घूमकर लोगों से संवाद किया और उन्हें चीनी मांझे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया।

वहीं पुलिस ने नागफनी क्षेत्र में चीनी मांझा बेच रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चीनी मांझा भी बरामद किया। बुधवार को कटघर में सिपाही और जयंतीपुर में जावेद नाम के युवक की गर्दन कट गई थी।

इसके अगले ही दिन बैंक पीओ कोमल चौधरी की गर्दन कट गई थी। इसके बाद पुलिस लगातार चीनी मांझा बेचने और खरीदने वालों पर कार्रवाई कर रही है। शनिवार को मुगलपुरा, नागफनी और गलशहीद के अलावा कटघर थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चीनी मांझे के प्रति लोगों को जागरूक किया।

नागफनी थाने की पुलिस ने नागफनी के मोहल्ला अंडेवालान निवासी मोहम्मद अरमान को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चीनी मांझे की पांच चरखी बरामद की हैं। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि चीनी मांझा बेचने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा।

गोंडा से सीतापुर जा रही मालगाड़ी के सामने आया गोवंश, इमरजेंसी ब्रेक लगाने पर पटरी से उतरे डिब्बे

सीतापुर, एजेंसी। गोंडा से सीतापुर जा रही एक मालगाड़ी बिसवां रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटना का शिकार हो गई। मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए।

सीतापुर जिले के बिसवां में गोंडा से सीतापुर आ रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे बिसवां रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। रेल प्रशासन के सूत्रों के अनुसार एक निराश्रित गोवंश के पटरी पर आने से यह हादसा हुआ है। गोवंश को बचाने के लिए ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाई। इमरजेंसी ब्रेक लगाने से मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतरे।

मालगाड़ी के दो डिब्बो के पटरी से उतरने की जानकारी मिलते ही रेल प्रशासन अलर्ट हो गया। रेलवे अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। बिसवां स्टेशन से कुछ ही दूरी पर हुई इस घटना के बाद रेल यातायात को रोका गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं, लखनऊ से विशेष सहायता यान मौके पर आया। ख़बर लिखे जाने तक पटरी से डिब्बों को हटाने का काम जारी था।

बिना अनुमति खलिहान में स्थापित की आंबेडकर की प्रतिमा, ग्रामीणों के विरोध के बाद हटाई गई

सीतापुर, एजेंसी। सीतापुर में बिना अनुमति खलिहान में स्थापित की गई आंबेडकर की प्रतिमा ग्रामीणों के विरोध के बाद हटा ली गई। मौके पर पहुंची तीन थानों की पुलिस ने शांति व्यवस्था बहाल की। पुलिस ने प्रतिमा को कब्जे में लिया है। यूपी के सीतापुर में बिना अनुमति स्थापित की गई भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को ग्रामीणों ने हटा लिया है। गांव में विरोध के बाद मामला थाने तक पहुंचा। रविवार की सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी ली। पुलिस ने प्रतिमा को कब्जे में लिया है। मामला रामकोट थाना इलाके के लोधौरा गांव का है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के कुछ लोगों ने बिना किसी से चर्चा किए शनिवार की रात खलिहान की जमीन पर प्रतिमा स्थापित कर दी थी। पांच वर्ष पहले इसी स्थान पर वट वृक्ष था। गांव की महिलाएं इस पर वट सावित्री पूजा करती थीं। पेड़ सूखने के बाद यह जगह खाली हो गई। हम लोग दोबारा इस जगह पर पेड़ लगाने की योजना बना रहे हैं। इससे पहले ही बिना किसी अनुमति कुछ लोगों ने रात में आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी।

फिर गरजा योगी सरकार का बुलडोजर, ढहाए गए 19 बीघे की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे

शुक्लागंज, एजेंसी। गंगाघाट क्षेत्र के जाजमऊ चौकी स्थित इकलाख नगर में सरकारी जमीनों में किए जा रहे अवैध कब्जों पर शनिवार को प्रशासन का बुलडोजर गरजने लगा। 38 करोड़ की 19 बीघा सरकारी जमीन को अवैध कब्जों से मुक्त करा दिया गया। भूमि संख्या 1704 नवीन परती के नाम से व भूमि संख्या 1706 जो गंगारेत के नाम सरकारी अभिलेखों में दर्ज है। जिसमें लोगों ने पक्की बाउंड्री वाल बनाकर व एक फीट से अधिक नींव भरवाकर अवैध कब्जे कर रखे थे।

जिन्हें जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस की मौजूदगी में बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया गया। जिन लोगों की बाउंड्री व अवैध कब्जे ढहाए गए। उनमें से कोई सामने नहीं पहुंचा। एसडीएम क्षितिज द्विवेदी, एआरओ प्रशांत नायक व तहसीलदार सदर अर्सलानाज सहित राजस्व, सर्वे लेखपाल व राजस्व कानूनगो व सर्वे की मौजूदगी में अवैध कब्जे ध्वस्त कराने की कार्रवाई हुई।

इस संबंध में एआरओ प्रशांत नायक ने बताया कि भूमि संख्या 1706 में कुल 24 बीघा जमीन दर्ज है। जिसमें पांच बीघा जमीन पर नसीम अहमद व उनके भाई सह खातेदार हैं। यह जमीन उनके नाम दर्ज हैं। वह लोग अपनी पांच बीघा जमीन लोगों को बेच चुके हैं। जिसमें क्रेताओं के मकान भी बन चुके हैं। वहीं भूमि संख्या 1706 में 19 बीघा जमीन सरकारी है। जो सरकारी अभिलेखों में गंगा रेत के नाम दर्ज है। जबकि, भूमि संख्या 1704 मां लगभग पांच बीघा जमीन नवीन परती के नाम दर्ज है। जिस पर कई लोगों ने अवैध कब्जा कर बाउंड्री वाल व नींव भरवा डाली है। जिसमें पांच अर्ध निर्मित बाउंड्री व लगभग 20 नींव बुलडोजर से ढहाई गई हैं। उन्होंने बताया कि 19 बीघा सरकारी जमीन पर किसने कब्जे कर रखे हैं। कोई सामने नहीं आया है। एआरओ ने बताया कि कब्जा मुक्त कराई गई 19 बीघा सरकारी जमीन की बाजारू कीमत लगभग 38 करोड़ रुपये आंकी गई है।

एसडीएम क्षितिज द्विवेदी ने बताया कि सरकारी जमीन से अवैध कब्जे ढहाकर उसे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनिल निषाद की मौजूदगी में ग्राम सचिव धीरेंद्र रावत को सिपुर्द कर दी गई है। कब्जा मुक्त कराई गई जमीन पर पिलर लगाकर चौतरफा तार लगवाने शुरू कर दिए गए हैं। वहीं स्थानीय पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि अब वहां पर दोबारा से कोई कब्जा न करने पाए।

उन्होंने बताया कि सरकारी जमीन पर जिन लोगों ने बाउंड्री बना रखी थी। वहां पूर्व में ही नोटिस चस्पा कराई जा चुकी है। नोटिस चस्पा कराने के बाद कोई संपर्क करने नहीं पहुंचा। अपराह्न लगभग साढ़े तीन बजे से शाम छह बजे तक कार्रवाई चली। एसडीएम व एआरओ ने बताया कि कटरी पीपरखेड़ा की सरकारी जमीन से अवैध कब्जे ढहाए जाने की कार्रवाई बराबर चलती रहेगी।

जाजमऊ में कटरी पीपरखेड़ा के इकलाखनगर में जिस समय प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सरकारी जमीन से अवैध कब्जों को बुलडोजर से ढहाने की कार्रवाई चल रही थी। कटरी पीपरखेड़ा व इकलाखनगर समेत आस पास इलाकों में रहने वाले लोग तमाशा देखते रहे।

अवैध कब्जों को ढहाए जाने की कार्रवाई के दौरान एक वकील ने वहां आकर एआरओ प्रशांत नायक को गाटा संख्या 1704 पर स्टे होने की बात बताई। वकील ने स्टे की फोटो कापी दिखाई। जिसपर एआरओ ने कहा कि सरकारी जमीन पर किसी को स्टे नहीं मिलता है। जब नोटिस चस्पा कराई गई थी तब कोई क्यों नहीं आया। एआरओ ने कहा कि गाटा संख्या 1704 की पूरी जमीन नवीन परती में दर्ज है। जमीन से संबंधित प्रपत्रों के साथ सोमवार को उनके आफिस आएं।

ऑनलाइन परीक्षा में धोखाधड़ी कर पाई दारोगा की नौकरी, एक गलती से पकड़ा गया, एफआईआर दर्ज

वाराणसी, एजेंसी। पुलिस भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी द्वारा चार वर्ष पूर्व धोखाधड़ी कर दारोगा की नौकरी पाए जाने का मामला प्रकाश में आया है। अंगुष्ठ छाप (अंगूठा मिलान) के मिलान में पोल खुलने पर लखनऊ में दारोगा घनश्याम जायसवाल के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के केस दर्ज किया गया था।

उत्तर-प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, हुसैनगंज लखनऊ द्वारा बीते 3 दिसंबर 2021 को मिर्जामुराद स्थित काशी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी (केआईटी) में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस की सीधी भर्ती के लिए ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी।

गोरखपुर जिले के साहबगंज, टीचर कॉलोनी (पीपीगंज) निवासी घनश्याम जायसवाल भी अभ्यर्थी रहा। इसके बाद घनश्याम का चयन होने पर उसे नियमानुसार प्रशिक्षण पर भेजा गया। इस बीच उच्च न्यायालय में रिट दाखिल होने पर बोर्ड स्तर पर समिति गठित कर अंगुष्ठ छाप के मिलान की कार्रवाई शुरू हुई।

13 अक्टूबर 2023 को अंगुष्ठ छाप का मिलान कराया गया। इसके बाद अंगुली चिह्न ब्यूरो, लखनऊ को जांच के लिए भेजा गया। जांच में परीक्षा के समय मिले मिलान से अंगुष्ठ का मिलान नहीं हुआ। जांच में पता चला कि ऑनलाइन परीक्षा में घनश्याम जायसवाल प्रतिभाग नहीं किया था।

पुलिस भर्ती बोर्ड के निरीक्षक सत्येंद्र कुमार की तहरीर पर हुसैनगंज थाना (लखनऊ) में बीते वर्ष 20 नवंबर को घनश्याम जायसवाल के खिलाफ उ.प्र. सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम समेत 419, 420, 467, 468, 471 के तहत केस दर्ज किया गया था। मिर्जामुराद थानाप्रभारी निरीक्षक सुधीर त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ से ट्रांसफर होकर उक्त केस आया है, जिसकी विवेचना अब खजुरी चौकी प्रभारी अनिकेत श्रीवास्तव करेंगे।

पत्नी की इस बात से खफा किसान नेता ने बनाई वीडियो, सुसाइड नोट के साथ फेसबुक पर की पोस्ट फिर दी जान

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में पति-पत्नी के बीच झगड़े में पत्नी ने गुस्से में कह दिया कि जा मर जा, इतने पर ही किसान नेता फंदा गले में डालकर झूल गया। परिजनों ने उन्हें जेएन मेडिकल में भर्ती कराया, जहां शनिवार को उपचार के दौरान किसान नेता की मौत हो गई।

मरने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी का एक वीडियो भी फेसबुक पर पोस्ट किया है। घटना मंगलवार की है और मरने वाले कुलदीप (33) पालीमुकीमपुर थाना क्षेत्र के गांव रामपुर चंदियाना के रहने वाले थे।

वह भारतीय किसान यूनियन (अधिकार) के प्रदेश सचिव थे। मंगलवार को ही घटना से पहले उन्होंने फेसबुक पर अपनी पत्नी का वीडियो व एक सुसाइड नोट पोस्ट किया था। हाथ से लिखे एक पर्चे में उन्होंने सीएम को संबोधित करते हुए पत्नी सहित पांच लोगों से अपनी जान को खतरा बताया। यह लिखा है कि ये लोग उसे धमकी दे रहे हैं, उसकी मौत के जिम्मेदार हैं, इन्हें फांसी दी जाए। माना जा रहा है कि जो वीडियो पोस्ट किया है, वह उन्होंने खुद ही बनाया है। इसमें उनकी पत्नी घर के आंगन में किसी से फोन पर बात करते हुए घूम रही है। वह कुछ कहता है, अचानक वह गुस्से में बोल पड़ती है कि जा मर जा। इसके बाद फिर वह फोन पर बात करने लगती है और किसी से कह रही है कि यह नहीं मरेगा, ढोंग कर रहा है, यह तो हमें मारेगा। मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ ने इस संबंध में कोई तहरीर मिलने से इन्कार किया है। सीओ छर्रा धनंजय सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

कानपुर में शोभायात्रा से पहले पुलिस ले गई साउंड सिस्टम!

भड़के श्रद्धालुओं ने किया प्रदर्शन, जमकर हुई नारेबाजी

कानपुर, एजेंसी। रामनवमी पर रामलला मंदिर से शोभायात्रा निकाले जाने से एक दिन पूर्व शनिवार शाम साउंड सिस्टम ले जाने से भड़के श्रद्धालुओं ने प्रदर्शन किया। हंगामे की सूचना पर डीसीपी पश्चिम समेत अधिकारी पहुंचे जो भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने नारेबाजी के साथ ही कुछ अपशब्द कह दिए। अधिकारियों के विरोध के दौरान बहस होने लगी। इसके बाद डीसीपी चली गईं। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की और बाद में हनुमान चालीसा पढ़ी।

शोभायात्रा कमेटी के पदाधिकारी, पार्षद समेत श्रद्धालुओं ने साउंड वापस करने और डीसीपी के माफी मांगने की बात कही। वहीं , पुलिस शोभायात्रा में प्रति वाहन दो साउंड ही लगाने की बात पर अड़ी रही। देर रात तक प्रदर्शन जारी रहा। रावतपुर गांव में प्राचीन रामलला मंदिर से हर साल रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। यहां से शोभायात्रा शहर के कई सड़कों से होकर जाती है। इसके लिए श्रद्धालु शोभायात्रा की पूर्व संध्या पर ध्वज पूजन कार्यक्रम करते हैं।

इसमें लोग जगह-जगह साउंड सिस्टम लगाते हैं और इसके बाद वही साउंड सिस्टम वाहनों में बंधवाकर शोभायात्रा में शामिल होते हैं, लेकिन साउंड बजाने से लेकर पुलिस अधिकारी ने नियमों का पालन कराने के लिए एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने शनिवार दोपहर रावतपुर थाने में शोभायात्रा के आयोजक व उनके समर्थकों के संग बैठक की थी, जिसमें स्पष्ट बताया गया था कि 75 डेसिबल की ध्वनि तीव्रता से कम ही साउंड होने चाहिए, जहां कुछ लोग सहमत हुए तो कई विरोध

जताने लगे। भाजपा के मंडल अध्यक्ष दीपक शुक्ला का आरोप है कि शाम को ध्वज पूजन होना था।

इससे पहले ही शाम करीब सात बजे रामलला मंदिर रोड, बकरमंडी, सब्जीमंडी, गणेश नगर, गुप्ता कालोनी,बजरंग तिराहा समेत सात से आठ जगहों पर पुलिसकर्मी कहीं 10 तो कहीं आठ साउंड आटो व अन्य वाहनों से उठा ले गए। लोगों के विरोध पर आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने कई युवकों को पीटा। इसकी जानकारी मिलने पर शोभायात्रा कमेटी के आयोजक अवध बिहारी, राजा पंडित, पार्षद नीरज कुरील, मारुति चंदेल, पूर्व पार्षद राम अवतार प्रतापति समेत सैकड़ों श्रद्धालु पहुंच गए। सभी ने घूम-घूमकर पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रहांलाकि कुछ देर बाद वह भी लौट गए,दर्शन किया।

मौके पर डीसीपी पश्चिम आरती सिंह, एडीसीपी पश्चिम विजयेंद्र द्विवेदी, एसीपी अभिषेक पांडेय, एसीपी पनकी शिखर, एसीपी बिल्हौर अमरनाथ समेत कई थानों का फोर्स व पीएसी पहुंच गई। अधिकारियों को देख भीड़ में रहे कुछ लोगों ने अपशब्द भी कहे। फोर्स भीड़ की तरफ बढ़ी तो नारेबाजी शुरू हो गई। इसके बाद डीसीपी लौट गईं। इस दौरान कई श्रद्धालु सड़क पर लेट गए तो दर्जनों श्रद्धालु सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा पढ़ने लगे। करीब चार घंटे बाद भाजपा विधायक बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर भी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से बात की। उनका कहना था कि कार्यकर्ता आक्रोश में हैं। उन्हें समझाया जाएगा और फिर वह लौट गए, लेकिन नारेबाजी के बीच प्रदर्शन जारी रहा। एसीपी अभिषेक पांडेय ने बताया कि प्रति वाहन दो साउंड ही शोभयात्रा में लगाए जा सकते हैं। इससे ज्यादा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बेटा रहता है बीमार, डिप्रेशन में आकर दंपती ने खा लिया जहर

मुंह से निकले झाग तो पता चला

सहारनपुर, एजेंसी। फतेहपुर गांव निवासी किसान जनेश्वर और उनकी पत्नी मेमता ने घर पर जहरीला पदार्थ निगल लिया। दोनों को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नागल के फतेहपुर गांव में किसान जनेश्वर और उनकी पत्नी मेमता ने घर पर जहरीला पदार्थ निगल लिया। इसके बाद दोनों को सीएचसी ले जाया गया। गंभीर हालत के चलते दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। छोटा बेटा एक साल पहले सड़क हादसे में घायल हुआ था, तभी से दोनों मानसिक तनाव में चल रहे हैं। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे जनेश्वर और उनकी पत्नी मेमता कमरे में अकेले थे। कुछ देर बाद उनका बेटा प्रिंस कमरे में पहुंचा, जहां पर दोनों बेसुध हालत में पड़े हुए थे और मुंह से झाग निकल रहे थे। उनके पास में जहरीले पदार्थ के पाउच मिले। इसके बाद आनन-फानन में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि जनश्वेर के पास करीब आठ बीघा जमीन है, जिससे परिवार का पालन-पोषण होता है। बड़ा बेटा विनय बाहर नौकरी करता है और प्रिंस व सन्नी साथ में रहते हैं। छोटा बेटा सन्नी करीब एक साल पहले सड़क हादसे में घायल हो गया था, तभी से उसका उपचार चल रहा है। इसमें काफी खर्चा भी आया। फिर भी वह पूरी तरह से ठीक नहीं है। बेटे की इस हालत को लेकर दंपती काफी तनाव में रहते हैं। आशंका जताई जा रही है कि मानसिक तनाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है। जनेश्वर के तीन बेटे और एक बेटी है। प्रिंस, विनय और एक बेटी की शादी हो चुकी है। जबकि छोटा बेटा प्रिंस अविवाहित है। करीब एक साल पहले बाइक और कार की टक्कर हुई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

पूर्व ओलंपियन सुभाष पहलवान ने कहा, जयंत चौधरी ने की मुसलमानों के साथ दगाबाजी

बागपत, एजेंसी। भारत केसरी सुभाष पहलवान ने वीडियो जारी करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह के जमाने से मुसलमान पार्टी के साथ रहा है। जयंत चौधरी ने बिल का समर्थन करके मुसलमानों को दूर कर दिया है। ओलंपियन और भारत केसरी सुभाष पहलवान ने वीडियो जारी करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह के प्रधानमंत्री बनने तक मुस्लिम समाज हमेशा रालोद के साथ रहा है। वक़्फ़ बोर्ड क़ानून में रालोद ने बिल का समर्थन करके मुस्लिम समाज के साथ दग़ाबाजी की है। सुभाष पहलवान ने कहा कि मुस्लिम समाज चाहता था कि इस मामले में कोई जोर-जबरदस्ती न हो, मगर उनकी भावनाओं का ध्यान नहीं रखा गया। मुसलमानों की रजामंदी के खिलाफ बिल पास कर दिया गया। सभी धर्मों में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे धर्म के खिलाफ किए गए कार्य से खुश होते हैं। ऐसा ही इस मामले में भी हुआ है। ऐसे में रालोद को मुसलमानों का साथ देना चाहिए था, क्योंकि ये एक ऐसा वर्ग है जो हमेशा पार्टी के साथ रहा है। कहां कि मैं बिहार के नेताओं की बात नहीं करता, मैं सिर्फ उत्तर प्रदेश की ही बात करता हूं। हमारे यहां चौधरी चरण सिंह का राजनीतिक परिवार है, जिसके साथ हमेशा मुस्लिम समाज रहा है। ऐसे में जयंत चौधरी को साथ देना चाहिए था। मगर दगाबाजी करके मुसलमानों को हमेशा के लिए दूर कर दिया है।

लापता सर्राफा कारोबारी का अधजला शव बरामद, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सिद्धार्थनगर, एजेंसी। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भगवानपुर टोला चैनपूरवा निवासी 22 वर्षीया सुनील वर्मा पुत्र घनश्याम का अधजला शव मोहाना सोहास रोड के पास पारसोहिया में मिला है। वह शनिवार की सुबह घर से निकले थे। मृतक के घरवालों ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने इसकी तहरीर मोहना थाने में दी है। पुलिस तहरीर के आधार पर जांच में जुटी है।

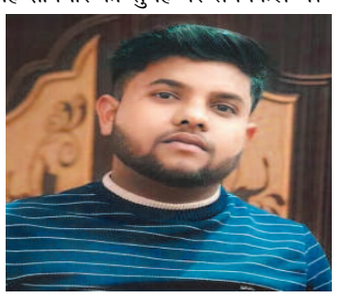

सुनील रमवापुर चौराहे पर ज्वेलरी की दुकान चलाये थे। मृतक के भाई बलिराम ने मोहाना थाना में तहरीर दिया है कि उनके भाई सुनील वर्मा रमवापुर चौराहे पर आभूषण कला केंद्र के नाम से दुकान चलाते थे। प्रतिदिन की तरह शनिवार देर शाम तक घर वापस नहीं आये तो खोजने निकले। इसकी सूचना थाने पर भी दिया था। काफी खोजने के बाद भी कोई पता नही चला। रविवार सुबह सुनील का शव बरामद हुआ है वह भी अधजला। घरवाले हत्या की आशंका जता रहे हैं। मोहाना थानाध्यक्ष अनूप मिश्रा का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है।

वहीं अलीगढ़ से एक मामला सामने आया है जहां एक महिला को उसका पति ही हत्या करने की धमकी दे रहा है। नीले ड्रम के वीडियो उसे भेजे जा रहे हैं। नीले के ड्रम को लेकर महिला दहशत में है। पुलिस जांच में जुट गई है।

बसपा के वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी कर रही सपा!

अखिलेश यादव ने घोषणा कर साफ कर दिए अपने इरादे

लखनऊ, एजेंसी। वर्ष 2027 के चुनावों के लिए राजनीति की जमीन तैयार कर रही समाजवादी पार्टी की निगाहें अपनी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) की रणनीति में शामिल अनुसूचित जाति पर सबसे ज्यादा हैं। बसपा का कैडर वोट कहे जाने वाले इस वर्ग में अब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती के सहारे सेंध लगाने की कोशिश होगी। इसके लिए आठ से 14 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में 'स्वाभिमान-स्वमान' समारोह मनाया जाएगा और संविधान और आरक्षण बचाने के नारे को बार-बार दोहराया जाएगा।

पिछले लोकसभा चुनाव में भी सपा के इसी दांव को सफलता की एक बड़ी वजह माना जाता है। शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जब इसकी घोषणा की तो उनकी रणनीति साफ हो गई। उन्होंने सबसे पहले कार्यालय में सजाई गई महर्षि कश्यप, निषादराज और सम्राट अशोक की तस्वीरों पर माल्यार्पण किया। उनकी कुर्सी के आगे टेबल पर महात्मा गौतम बुद्ध की प्रतिमा भी रखी गई थी।

संकेतों की इस राजनीति के बाद अखिलेश ने पत्रकारों को बताया कि आंबेडकर जयंती पर समाजवादी बाबासाहेब अंबेडकर वाहिनी और अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ द्वारा पार्टी कार्यालयों, जन प्रतिनिधियों के कार्यालयों में आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठियों के जरिए संविधान ही संजीवनी है और संविधान सुरक्षित रहेगा तो सबका स्वाभिमान और अधिकार सुरक्षित रहेगा के नारों को दोहराया जाएगा।

संदेश दिया जाएगा कि स्वमान के तहत समाज पंथ निरपेक्ष व लोकतांत्रिक मूल्यों संग अपनी एकता की ताकत को समझे। स्वाभिमान-स्वमान से ही पीडीए अपनी निर्णायक शक्ति हासिल कर

स्वाभिमान से जीने का अधिकार पाएगा। उन्होंने पीडीए से एकजुट होकर संविधान और आरक्षण बचाने के आंदोलन को नई ताकत देने का भी आह्वान किया।

पत्रकार वार्ता में अखिलेश ने चार वीडियो प्रदर्शित कर कहा कि सरकार की जीरो टालरेंस की नीति जीरो हो गई है। पुलिस फिरौती के लिए अपहरण कर रही है। जनता के साथ भाजपाइयों तक को न्याय नहीं मिल रहा है। भाजपा अब खुद मान गई है कि उनका 80-20 का नारा नहीं चलने वाला है। मैं पूछना चाहता हूं कि हम लोग 80 में आते हैं कि 20 में हकीकत में अब मामला 80-20 का नहीं, 90-10 का है।

पीडीए और महिलाएं मिलकर 90 होते हैं। यही भाजपा को हराएंगे। वक्फ संशोधन पर कहा कि सरकार नाकामी छिपाने को विधेयक लाई है। अमेरिका टैरिफ लगा रहा है और अर्थव्यवस्था कमजोर हो चुकी है। भारत को भी चीन और अन्य देशों पर टैरिफ लगाना चाहिए। ये सरकार सांप्रदायिक राजनीति पर उतर आई है, ताकि महंगाई और घाटे के अलावा अन्य मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके।

अखिलेश ने अंबेडकर नगर की आठ वर्षीय बालिका अनन्या यादव को स्कूल बैग देकर सम्मानित भी किया।

दुजाना में भाजपा स्थापना दिवस पर भव्य स्वागत समारोह, सांसद महेश शर्मा और विधायक तेजपाल नागर हुए भावुक!

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दादरी। गौतमबुद्ध नगर जनपद के ग्राम दुजाना स्थित बाबा फार्म में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हाल ही में निर्वाचित जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा और पार्षद अनिल नागर का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्ध नगर से सांसद डॉ. महेश शर्मा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया ने की। इस विशेष आयोजन का नेतृत्व दादरी विधायक तेजपाल नागर ने किया। कार्यक्रम में एमएलसी सदस्य श्री चंद शर्मा, पूर्व विधायक सतबीर गुर्जर समेत भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। साथ ही क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर दुजाना नागर क्लब की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में भरपूर सहयोग किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन माननीय अजीत नागर द्वारा किया गया, जिनकी प्रस्तुति और प्रबंधन की सभी ने प्रशंसा की।

कार्यक्रम में हरेन्द्र नागर, जो कि भाजपा के ओबीसी क्षेत्रीय अध्यक्ष हैं, एवं जितेन्द्र नागर बाबा की भी उपस्थिति रही। सभी नेताओं का स्वागत फूल मालाओं और पारंपरिक अंदाज में किया गया।

अपने सम्बोधन में सांसद महेश शर्मा भावुक होते हुए बोले, "अगर मुझे अपने समाज के लिए चमड़ी की जूती बनानी पड़ी तो भी मैं तैयार हूं। मैं जीवन भर अपने समाज का ऋणी रहूंगा।" इस बयान ने उपस्थित जनसमूह में भावनात्मक ऊर्जा भर दी और तालियों की गूंज से माहौल गूंज उठा। दादरी विधायक तेजपाल नागर ने भी अपने सम्बोधन में कहा, "दुजाना और दादी शक्ति से मेरा पुराना नाता है। मैं तो जनता के बीच का बेटा हूं। जो भी मांगें कार्यक्रम में रखी गई हैं, विशेष रूप से सुनपुरा से बादलपुर और फिर ईस्टर्न पेरिफेरल तक 60 मीटर रोड के निर्माण की, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।" उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि हाइटेक सिटी से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में तेजपाल नागर ने अजीत नागर के सफल मंच संचालन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल पार्टी की जड़ें मजबूत होती हैं बल्कि समाज में एकजुटता का संदेश भी जाता है। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम न केवल भाजपा की स्थापना दिवस की गरिमा को बढ़ाने वाला रहा, बल्कि इससे क्षेत्रीय विकास और समाजिक समरसता को लेकर आशाएं भी प्रबल हुई हैं। कार्यक्रम में रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति हरेंद्र की पार्टी द्वारा किया गया, कार्यक्रमक को सफल बनाने नागर क्लब के वरिष्ठ सदस्य विजय नागर एडवोकेट, किरणपाल नागर, इन्द्र नागर, संजीव नागर, ईश्वर शर्मा , मोनू भगत जी, अजेन्द्र नागर,सुनिल नागर बाबा, अनिल नागर, अनिल नागर वरिष्ठ किसान नेता मितल नागर और कर्मवीर आर्य दर्जनों नागर क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रीन बेल्ट की जमीन को प्राधिकरण ने करवाया कब्जा मुक्त!

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। दबंगों ने नोएडा विकास प्राधिकरण की ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण कर उसको अपनी निजी संपत्ति बना लिया।इसमें व्यवसायिक गतिविधियां भी संचालित की जा रही है।इस ग्रीन बेल्ट की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ आज नोएडा विकास प्राधिकरण ने कारवाई की।बता दे कि नोएडा के हरौला गांव में ग्रीन बेल्ट में कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर रखा था।आज ग्रीन बेल्ट की इस जमीन को नोएडा प्राधिकरण ने मुक्त करवा कर चार दिवारी करवा दी।इस मौके नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी व पुलिस मौजूद रही।आपको बता दे कि नोएडा के सैक्टर-5 स्थित हरौला गांव में अग्निशमन विभाग के सामने ग्रीन बेल्ट की जमीन की जमीन पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण करके अवैध कब्जा कर रखा था।जिसकी ग्रामीणों ने नोएडा प्राधिकरण से कई बार शिकायत भी की थी।जिसके बाद आज प्राधिकरण के द्वारा ग्रीन बेल्ट में बने अतिक्रमण को उखाड़ दिया।अवैध कब्जे को हटाने को लेकर कुछ लोगों ने विरोध पर किया लेकिन नियमानुसार कारवाई करते हुये उक्त स्थल को कब्जा मुक्त किया गया।ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ दबंगों लोगों ने ग्रीन बेल्ट की जमीन पर कब्जा कर रखा था।इससे पहले भी नोएडा प्राधिकरण इस जमीन को कब्जा मुक्त करवा चुका था।

नोएडा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईआईएमएस) के मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने आज विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 बड़े उत्साह और शैक्षणिक माहौल में मनाया। विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना सिंह के मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ष का विषय था झ स्वस्थ शुरूआत - आशावान भविष्य।इस अवसर पर एमबीबीएस छात्रों के लिए स्वास्थ्य से जुड़ा क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जो इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के सहयोग से की गई। प्रारंभिक राउंड 2 अप्रैल को हुआ जिसमें चार बैचों से कुल 45 छात्रों ने भाग लिया। इनमें से चार टीमों ने फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई किया। फाइनल क्विज 7 अप्रैल को हुआ, जिसमें सभी टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया।इसके साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें छात्रों ने दो-दो की

टीमों में भाग लिया। छात्रों ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के विषय पर सुंदर और जानकारीपूर्ण पोस्टर बनाए। इन पोस्टरों का मूल्यांकन रचनात्मकता, विषय से मेल और प्रभाव के आधार पर किया गया। निर्णायक मंडल में एनआईआईएमएस के डीन डॉ. अशुतोष निरंजन, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सी. एस. आहलूवालिया और अन्य विभागाध्यक्ष शामिल थे।छात्रों और इंटर्न्स ने चार रंग-बिरंगी और सुंदर रंगोली भी बनाई, जो स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों पर आधारित थीं। इन रंगोलियों की सभी दर्शकों और जजों ने बहुत सराहना की।कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें डीन डॉ. अशुतोष निरंजन ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके बाद औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) की स्थापना की याद में मनाया जाता है, और इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना होता है।

60 मीटर रोड निर्माण को लेकर जनआंदोलन का असर, विधायक तेजपाल नागर ने दिया भरोसा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दादरी। जन आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमवीर आर्य एडवोकेट ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के ग्राम दुजाना स्थित बाबा फार्म में भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दादरी विधायक तेजपाल नागर ने जनता की बहुप्रतीक्षित मांग झ 60 मीटर रोड निर्माण झ को लेकर बड़ी घोषणा की। कार्यक्रम के मंच से विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "सुनपुरा से बादलपुर और फिर ईस्टर्न पेरिफेरल तक 60 मीटर रोड के निर्माण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।"

यह बयान उस जनआंदोलन की सफलता का प्रतीक है, जिसके तहत स्थानीय लोगों द्वारा और सफल मंच संचालन कर रहे मा. अजीत नागर ने एक ज्ञापन तैयार कर सरकार तक अपनी मांग पहुंचाई गई थी। इस ज्ञापन में क्षेत्र की यातायात व्यवस्था, जनसुविधाओं और विकास की दृष्टि से 60 मीटर चौड़ी सड़क की आवश्यकता को प्रमुखता से दशार्या

गया था। दुजाना, सुनपुरा और बादलपुर कल्दा जेसे लगभग 50-60 गांवों के क्षेत्रों की आबादी लगातार बढ़ रही है और हाइटेक सिटी प्रोजेक्ट से जुड़े विकास कार्यों के चलते इस मार्ग का निर्माण समय की मांग बन गया है। नागरिकों का कहना है कि यह सड़क न केवल ट्रैफिक को सुगम बनाएगी, बल्कि आसपास के गांवों को भी आपस में बेहतर ढंग से जोड़ेगी, जिससे व्यापार और रोजगार को भी बल मिलेगा।

विधायक तेजपाल नागर ने आश्वासन दिया कि वे स्वयं इस परियोजना की निगरानी करेंगे और संबंधित विभागों से लगातार संपर्क में रहकर इसकी जल्द से जल्द स्वीकृति और निर्माण सुनिश्चित करेंगे। यह घोषणा जनआंदोलन की सफलता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की ताकत का प्रतीक है, जहां संगठित और शांतिपूर्ण तरीके से उठाई गई आवाज सत्ता के गलियारों तक पहुंचती है और समाधान की दिशा में कदम उठते हैं।

जनपद में घटित विभिन्न अग्निकांड की घटनाओं को न्यून एवं उसके प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से प्रशासनिक अधिकारी एक्शन में

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : जनपद में घटित विभिन्न आपदाओं को रोकने तथा कम करने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नियमित प्रयास सुनिश्चित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्र ने आज फायर सर्विस और कारखाना और आपदा विभाग से संबंधित अधिकारियों के साथ सूरजपुर ग्रेटर नोएडा स्थित एस०एस० ई पैक फ्री फेब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कंपनी में पहुंचकर फायर सुरक्षा की दृष्टिगत भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान जो कमियां पाई गई है, उनको जिलाधिकारी महोदय के संज्ञान में लाते हुए नोटिस जारी कर फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा सही कराया जाएगा । जिलाधिकारी महोदय मनीष कुमार वर्मा द्वारा जनपद में अग्निकांड की घटनाओं को न्यून करने एवं उसके प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्र के अध्यक्षता और मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे के सह अध्यक्षता में टीम बनाई गई है। कारखानों का भौतिक सत्यापन की जाएगी। मानक के अनुरूप नहीं पाई जाने पर दी जाएगी नोटिस और होगी अग्निशमन विभाग/कारखाना विभाग और आपदा विभाग के तहत होगी कार्यवाही

अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा आज ग्राम चीती तहसील सदर में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग का किया गया स्थलीय निरीक्षण

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे द्वारा आज तहसील सदर के ग्राम चीती में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। किसान अरूण कुमार के खेत गाटा संख्या 362 में पहुंच कर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने फसल की क्रॉप कटिंग के कार्य का निरीक्षण किया एवं निरीक्षण के दौरान 10 .10 .10 त्रिकोण मीटर के क्षेत्र की गेहूं की फसल को निकलवा कर क्रॉप कटिंग के मानक के अनुसार माप करवायी,

जिसमें 15.400 किग्रा0 गेहूं निकला। इस अवसर पर अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल ग्राम चीती नेत्रपाल सिंह, राजस्व निरीक्षक उदयवीर सिंह एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद दादरी के सहयोग से प्रेमांश फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दादरी : विश्व स्वास्थ्य दिवस के शुभ अवसर पर प्रेमांश फाउंडेशन ने दवा इंडिया, क्लोव डेंटल और ओम आई हॉस्पिटल के सहयोग से शैफाली पब्लिक स्कूल, रेलवे रोड दादरी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

इस स्वास्थ्य शिविर के दौरान विद्यालय के बच्चों की ऊंचाई, वजन, नेत्र जांच एवं दंत परीक्षण किया गया। प्रेमांश फाउंडेशन की ओर से सभी विद्यार्थियों को साबुन एवं डेंटल किट वितरित की गई।

संस्था ने बच्चों को यह संदेश दिया कि स्वस्थ रहने के लिए खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि दिन में दो बार ब्रश करना दंत स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य जांच के दौरान यह पाया गया कि कई बच्चों में कैविटीज (दांतों में कीड़े), डेंटल कैरीज, मुँह की

साफ-सफाई की कमी, जैसे ओरल हेल्थ संबंधित समस्याएं देखी गईं, वहीं कुछ बच्चों में दृष्टि कमजोर (poor vision) होने के लक्षण भी पाए गए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापक प्रोमिता शर्मा एवं डायरेक्टर मनीष गर्ग ने प्रेमांश फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की और उनके प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में नगर पालिका स्वच्छ भारत मिशन के प्रमुख नरेंद्र सिंह राठौड़ एवं डॉ रवींद्र कुमार और प्रेमांश फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहा। प्रेमांश फाउंडेशन की संस्थापक एवं CEO डॉ. शिखा शुक्ला एवं नरेंद्र सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापक श्रीमती प्रोमिता शर्मा को एक हाइजीन किट भेंट की, जिसमें हैंड वॉश, फिनायल, टॉयलेट क्लीनर शामिल थे। सभी को "स्वस्थ रहें" का संदेश दिया गया। इसके साथ ही दवा इंडिया द्वारा प्रधानाचार्या मैडम को सैनिटरी नैपकिन्स भी भेंट किए गए, जिससे किशोरी छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शिखा शुक्ला द्वारा विद्यालय की डायरेक्टर श्री मनीष गर्ग और प्रधानाध्यापक को एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

डॉ. शिखा शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हम सभी को यह याद दिलाता है कि बच्चों सहित पूरे समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सभी हितधारकों को मिलकर कार्य करना चाहिए, क्योंकि बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं। डॉ. शिखा शुक्ला ने दवा इंडिया, क्लोव डेंटल, और ओम आई हॉस्पिटल की पूरी टीम को इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके संयुक्त प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस स्वास्थ्य शिविर में प्रेमांश फाउंडेशन की टीम से प्रीतेश और अमर, दवा इंडिया से उर्विश, तथा ओम आई हॉस्पिटल से राकेश और क्लोव डेंटल से डॉ. पारिक्षित सहित अन्य सहयोगी सदस्य भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

आईएमएस में कार्यशाला का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा में मोबाइल जर्नलिज्म पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के द्वारा आयोजित कार्यशाला के दौरान बतौर प्रशिक्षक एनडीटीवी के सीनियर स्पेशल कॉरस्पॉडेंट मोजो एक्सपर्ट रवीश रंजन शुक्ला ने छात्रों को खबरों की दुनिया में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलाव से अवगत कराया। वहीं कार्यक्रम के दौरान संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ.विकास धवन, डीन प्रोफेसर डॉ. नीलम सक्सेना के साथ शिक्षक एवं छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। कार्यशाला की शुरूआत करते हुए संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि आज पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। तकनीक के निरंतर विकास के साथ-साथ समाचारों के संकलन, निर्माण और प्रस्तुति के तरीके भी अधिक डिजिटल और गतिशील हो गए हैं। ऐसे में मोबाइल जर्नलिज्म जैसे नए प्लेटफॉर्म का ज्ञान और उनके व्यावहारिक प्रयोग की समझ छात्रों के लिए न सिर्फ जरूरी है, बल्कि उनके करियर को भी नई दिशा प्रदान करता है। वहीं डीन प्रोफेसर (डॉ.) नीलम सक्सेना ने कहा कि आज मोबाइल जर्नलिज्म पत्रकारिता को अधिक सुलभ, त्वरित और प्रभावशाली बना रहा है। ऐसे प्लेटफॉर्म छात्रों को न केवल तकनीकी रूप से सशक्त बनाते हैं, बल्कि उन्हें अपने विचारों और रचनात्मकता को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। कार्यशाला के दौरान रवीश रंजन शुक्ला ने पत्रकारिता के छात्रों को खबरों की दुनिया में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलाव के विभिन्न आयामों के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मोबाइल जर्नलिज्म की शुरूआत 2005 में अमेरिका से हुई। इसके बाद भारत में एनडीटीवी ने सबसे पहले मोबाइल जर्नलिज्म की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि मोबाइल जर्नलिज्म पत्रकारिता की एक ऐसी विधा है, जो आज हर व्यक्ति को उसके आसपास हो रही घटनाओं और समस्याओं को लोगों के सामने और जिम्मेदारों के सामने रखने का अवसर दिया है। मोबाइल जर्नलिज्म आज स्वतंत्र पत्रकारिता करने की एक महत्वपूर्ण विद्या के रूप में उभरा है। हालांकि पेशेवर तौर पर मोबाइल जर्नलिज्म के लिए तकनीकी रूप से कुछ खास सॉफ्टवेयर और गिंबल्स चलाने की जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने पत्रकारिता के छात्रों को एक अच्छा पत्रकार बनने के लिए निरंतर तौर पर शोध और अध्ययन करने, परिश्रम, ईमानदारी और हमेशा देश और दुनिया में हो रही घटनाओं के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। इस मौके पर कार्यक्रम में पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर सचिन बत्रा के साथ सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

बादलपुर मंडल कार्यालय का किया उद्घाटन

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के दादरी विधानसभा के बादलपुर मंडल कार्यालय के उद्घाटन एवं एमएसएमई के अंतर्गत रजिस्टर्ड रति स्टोन डिजाइन प्रतिष्ठान का उद्घाटन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया एवं स्थानीय सांसद एवं विधायक के सौजन्य से किया गया

इस शुभ अवसर पर स्थानीय विधायक तेजपाल नागर, जिले के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष एडवोकेट अभिषेक शर्मा , एमएलसी स्नातक विधायक श्री चंद शर्मा , पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर , गाजियाबाद के पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी , हापुड़ की जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा प्रमोद नागर , गौतम बुध नगर के जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी , युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पूर्व प्रताप नागर , जिला पंचायत के अध्यक्ष देवा भाटी , एवं आसपास क्षेत्र के सम्मानित लोग उपस्थित रहे।इस शुभ अवसर पर भाजपा गौतमबुद्ध नगर जिले एवं बादलपुर मंडल की भाजपा की समस्त कार्यकारिणी टीम एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रति स्टोन डिजाइन जो कि एमएसएमई के तहत रजिस्टर्ड है इस कंपनी में सीएनसी मशीन के द्वारा संपूर्ण कार्य किया जाता है इसी के साथ-साथ बादलपुर मंडल कार्यालय का उद्घाटन करके यह बताया है की संपूर्ण

जिले में पहली बार मंडल कार्यालय का उद्घाटन किया गया है।इस शुभ अवसर पर सत्येंद्र सिसोदिया ने कहा एमएसएमई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है हमे सबको आत्मनिर्भर बनाना है स्थानीय सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा एमएसएमई के अंतर्गत प्रतिष्ठान डिजाइन पर हमें स्वयं के रोजगार की खोज करनी है हम दूसरों को रोजगार देने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भी बनाना है स्थानीय विधायक तेजपाल सिंह नागर ने कहा जिले में पहले मंडल कार्यालय का होना यह दशार्ता है 2027 के चुनाव की तैयारी सभी कार्यकताओं ने अभी से कर ली है।पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने कहा कि इस कार्यालय के खुलने से सभी कार्यकताओं को अपने पार्टी के कार्यों को करने के लिए आसानी

रहेगी।पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने कहा कि कार्यालय का खुलना और वह भी भगवान श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर एवं पार्टी के स्थापना पर एक कार्यालय का और बढ़ाना हमारे लिए गौरव की बात है।जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास इसी के साथ हमें आगे बढ़ाना है।

हापुड़ की जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा प्रमोद नागर ने कहा कि रति स्टोन डिजाइन के खुलने से आसपास में अच्छा माहौल बना है इसके स्थापित होने से प्रत्येक व्यक्ति में आत्मनिर्भरता की भावना उत्पन्न होगी।जिला पंचायत अध्यक्ष देवा भाटी ने कहा यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है।बादलपुर मंडल में अच्छा कार्य

हो रहा है।इस शुभ अवसर पर बादलपुर मंडल के अध्यक्ष प्रधान महेंद्र सिंह नागर ने कहा प्रतिष्ठान रति स्टोन डिजाइन ड प्रतिष्ठान के स्थापित होने से बहुत से कार्य उत्पन्न होंगे एवं बादलपुर मंडल कार्यालय का होना यह दशार्ता है।गौतम बुद्ध नगर में गाजियाबाद से प्रवेश करने पर एक कार्यकर्ता में कार्य करने की क्षमता बढ़ जायेगी।

हर मंडल में कार्यालय होने चाहिए।प्रधान महेंद्र सिंह नागर और उनके बड़े भाई सुभाष चंद्र नागर एवं परिवार के सभी सदस्यों एवं उनके सहयोगी दीपक नय्यर एवं शयामवीर नागर ने सभी आए अतिथियों का क्षेत्र वासियों का दिल की गहराइयों से सभी का आभार धन्यवाद व्यक्त किया।

टैरिफ युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं होगा अधिक प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी।

दिनांक 2 अप्रेल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा, विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयातित उत्पादों पर की गई टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही अंततः अमेरिका द्वारा पूरे विश्व में टैरिफ के माध्यम से व्यापार युद्ध छेड़ दिया गया है। अभी, अमेरिका ने विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर विभिन्न दरों पर टैरिफ लगाया है। अब इनमें से कई देश अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर रहे हैं, जैसे चीन ने अमेरिका से चीन में आयात होने वाले उत्पादों पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 34 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ के माध्यम से छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारत पर कोई बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम ही है। दरअसल, अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी।

विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है। साथ ही, कुछ अन्य देशों यथा चीन से आयातित उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। इसी प्रकार, वियतनाम से आयातित उत्पादों पर 46 प्रतिशत, ताईवान पर 32 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कम्बोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और इसी प्रकार अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भी अलग अलग दरों से टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। कुछ उत्पादों जैसे, स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, एनर्जी, बुलीयन एवं अन्य महत्वपूर्ण मिनरल्स को अमेरिका में आयात पर टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है।

अमेरिका का मानना है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश अमेरिका में उत्पादित वस्तुओं के आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका में इन देशों से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर अमेरिका द्वारा बहुत कम दर पर टैरिफ लगाया जाता है अथवा बिलकुल नहीं लगाया जाता है। जिससे, अमेरिका से इन देशों को निर्यात कम हो रहे हैं एवं इन देशों से अमेरिका में आयात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस प्रकार, अमेरिका का व्यापार घाटा असहनीय स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ साथ, अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होकर अन्य देशों में स्थापित हो गई हैं और इससे अमेरिका में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। अब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका को पुनः

विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने के उद्देश्य से अमेरिका को पुनः महान बनाने का आह्वान किया है और इसी संदर्भ में विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया है ताकि अमेरिका में आयातित उत्पाद महंगे हों और अमेरिकी नागरिक अमेरिका में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने की ओर प्रेरित हों।

वर्तमान में बढ़े हुए टैरिफ का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ेगा और उन्हें अमेरिका में महंगे उत्पाद खरीदने होंगे, क्योंकि नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना में तो वक्त लग सकता है, विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन तुरंत तो बढ़ाया नहीं जा सकता अतः जब तक नई विनिर्माण इकाईयों की अमेरिका में स्थापना हो एवं इन विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन शुरू हो तब तक अमेरिकी नागरिकों को महंगे उत्पाद खरीदने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। इससे अमेरिका में एक बार पुनः मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न हो सकती है एवं ब्याज दरों के कम होने के चक्र में भी देरी होगी, बहुत सम्भव है कि मुद्रा स्फीति को कम करने की दृष्टि से एक बार पुनः कहीं ब्याज दरों के बढ़ने का चक्र प्रारम्भ न हो जाए। लम्बे समय में जब अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो जाएगी एवं इन इकाईयों में उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा तब जाकर कहीं मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाया जा सकेगा। विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही, डॉलर पर दबाव पड़ना शुरू भी हो चुका है एवं अमेरिकी डॉलर इंडेक्स घटकर 102 के स्तर पर नीचे आ गया है जो कुछ समय पूर्व तक लगभग 106 के स्तर पर आ गया था। इसी प्रकार अमेरिका में सरकारी प्रतिभूतियों की 10 वर्ष की बांड यील्ड पर भी दबाव दिखाई दे रही है और यह घटकर 4.08 के स्तर पर नीचे आ गई है, यह कुछ समय पूर्व तक 4.70 के स्तर से भी ऊपर निकल गई थी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़नी प्रारम्भ हो गई है एवं यह पिछले चार माह के उच्चतम स्तर, लगभग 85 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर, पर आ गई है। ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी लिए गए निर्णयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर लम्बी अवधि में तो हो सकता है परंतु छोटी अवधि में तो निश्चित ही यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभावित करते हुए दिखाई दे रहा है। अमेरिकी पूंजी बाजार (शेयर बाजार) केवल दो दिनों में ही लगभग 10 प्रतिशत तक नीचे गिर गया है और अमेरिकी निवेशकों को लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। इतनी भारी गिरावट तो वर्ष 2020 में कोविड महामारी के दौरान ही देखने को मिली थी। यदि यही स्थिति बनी रही तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था कहीं मंदी की चपेट में न आ जाय। यदि ऐसा होता है तो पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। अतः ट्रम्प प्रशासन का टैरिफ सम्बंधी उक्त निर्णय अति जोखिम भरा ही कहा जाएगा।

जब पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी तो भारत की अर्थव्यवस्था पर भी कुछ तो विपरीत असर होगा ही। इस संदर्भ में किए गए विश्लेषण से यह तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि बहुत सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए 26 प्रतिशत के टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव नहीं हो। क्योंकि, एक तो भारत से अमेरिका को निर्यात बहुत अधिक नहीं है। यह भारतीय सकल घरेलू उत्पाद का मात्र लगभग 3-4 प्रतिशत ही है। वैसे भी भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात पर निर्भर नहीं है एवं यह विभिन्न उत्पादों की आंतिरक मांग पर अधिक निर्भर है। भारत से सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16 प्रतिशत (वस्तुएं एवं सेवा क्षेत्र मिलाकर) ही निर्यात किया जाता है। दूसरे, भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने कुछ उत्पादों को उक्त टैरिफ व्यवस्था से फिलहाल मुक्त रखा गया है, जैसे फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, स्टील, अल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, बुलीयन, एनर्जी आदि। संभवतः इन उत्पादों के भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुछ भी असर नहीं होने जा रहा है। तीसरे, भारतीय कम्पनियों (26 प्रतिशत टैरिफ) को रेडीमेड गार्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात में पड़ौसी देशों, यथा, बांग्लादेश (37 प्रतिशत टैरिफ), पाकिस्तान (29 प्रतिशत टैरिफ), श्रीलंका (44 प्रतिशत टैरिफ), वियतनाम (46 प्रतिशत टैरिफ), चीन (34 प्रतिशत टैरिफ), इंडोनेशिया (32 प्रतिशत टैरिफ), आदि के साथ अत्यधिक स्पर्धा का सामना करना पड़ता है। परंतु, उक्त समस्त देशों से अमेरिका को होने वाले रेडीमेड गार्मेंट्स के निर्यात पर भारत की तुलना में अधिक टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की गई है। अतः इन देशों से रेडीमेड गार्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात भारत की तुलना में महंगे हो जाएंगे, इससे रेडीमेड गार्मेंट्स के क्षेत्र में भारत के लिए लाभ की स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कृषि उत्पादों के निर्यात भी भारत से अमेरिका को बढ़ सकते हैं। यदि किन्ही क्षेत्रों में भारत को नुक्सान होता हुआ दिखाई भी देता है तो भारत के विश्व के अन्य देशों के साथ बहुत अच्छे राजनैतिक संबंधो के चलते भारत को अपने उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वैसे भी, अमेरिका सहित भारत के यूरोपीयन देशों, ब्रिटेन एवं खाड़ी के देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को सम्पन्न करने हेतु वार्ताएँ लगभग अंतिम दौर में पहुंच गईं हैं, इसका लाभ भी भारत को होने जा रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शीघ्र ही मोनेटरी पॉलिसी के माध्यम से रेपो दरों में परिवर्तन की घोषणा की जाने वाली है। भारत में चूंकि मुद्रा स्फीति की दर लगातार गिरती हुई दिखाई दे रही है अतः भारत में रेपो दर में 75 से 100 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा की जा सकती है। यदि ऐसा होता है तो विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत में कुछ कमी सम्भव होगी, जिसके चलते भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। हालांकि, केवल ब्याज दरों के कमी करके पूंजी की लागत को कम करने से काम चलने वाला नहीं है, भारत को भूमि एवं श्रम की लागतों को भी कम करने की आवश्यकता है तथा उत्पादकता में सुधार करने की भी आवश्यकता है ताकि भारत में निर्मित होने वाले उत्पादों की कुल लागत में कमी हो एवं यह उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में अन्य देशों के मुकाबले में टिक सकें। वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक, सामरिक, रणनीतिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों में आमूल चूल परिवर्तन होता हुआ दिखाई दे रहा है, परिवर्तन के इस दौर में भारतीय कम्पनियां कितना लाभ उठा सकती हैं यह भारतीय कम्पनियों के कौशल पर निर्भर करेगा। साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा शीघ्रता से अपने आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को गति देकर भी वैश्विक स्तर पर निर्मित हुई उक्त परिस्थितियों का लाभ उठाया जा सकता है।

संपादकीय

श्रीलंका की आश्वस्ति

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आासन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा। जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है, तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आासन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवतः यही कारण रहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान ह्यमित्र विभूषणह्ल से भी नवाजा। भारत भी श्रीलंका की मित्रता को खासा तवज्जो देता है, और इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का यह चौथा श्रीलंका दौरा था। चाहे 2019 का आतंकवादी हमला हो, कोविड महामारी हो या हाल में आया आर्थिक संकट हो, हर कठिन परिस्थिति में भारत ने श्रीलंका की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका हमारी ह्यपड़ोसी पहलेह्ल नीति और ह्यमहासागरह्ल दृष्टिकोण से भी हमारे लिए विशेष स्थान रखता है। अलबत्ता, श्रीलंका में तमिलों की आकांक्षाओं और भारतीय मछुआरों के श्रीलंका के जल क्षेत्र में पकड़े जाने जैसे विवादास्पद मुद्दे हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने में भी दोनों पड़ोसी देश सफल होंगे।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है। जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है...।

ड्रग तस्करी- पाबंदी की राह में मुश्किल है बहुत

मुकेश तिवारी

वर्तमान समय में नशीले पदार्थों का गोरखधंधा देश के सभी हिस्सों में अपने पैर जमा चुका है ।छोटे शहर और कस्बे भी इसके चंगुल में बुरी तरह से फस चुके हैं ।क्योंकि इस गोरख धंधे में अकूत पैसा है ।इसलिए जल्द से जल्द धन कुबेर बनने की चाहत में लोग इस गैर कानूनी धंधे में संलिप्त होते चले जा रहे हैं । लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार ने देश को सामाजिक एवं आर्थिक दोनों मोर्चे पर खोखला बना रखा है। इससे मानव संसाधन पर काफी हद तक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। युवा पीढ़ी इसकी गिरफ्त में फंसकर बर्बाद हो रही है ।साथ ही साथ इस गैर कानूनी कारोबार से सरकार को भी राजस्व की क्षति हो रही है। अफीम एवं दूसरे नशीले पदार्थों का उपयोग दवाई बनाने में भी किया जाता है। लेकिन आज इससे दवा की जगह जहर बनाया जा रहा है। इससे अपराधी घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है ,क्योंकि नशे की हालत में इंसान का स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी रपट के मुताबिक तकरीबन 1करोड25लाख लोग हेरोइन का नशा करते हैं, हालत यह है कि जिसमें से 60लाख लोग हेरोइन का सेवन किया बिना नहीं रह सकते हैं। हेरोइन पर पूर्ण तौर पर निर्भर लोग मुख्य रूप से पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और गुजरात के रहने वाले हैं।

अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन तकरीबन 2700करोड की पंजाब में वाधा बॉर्डर और मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 1725करोड की ड्रग्स पकड़ी जा चुकी है ।इसी तरह गुजरात के भरुच जिले के अंकलेश्वर में भी 518 किलो हेरोइन बरामद हो चुकी है,

काबिले गौर है कि आज भी देश में गैरकानूनी ढंग से ड्रग्स लेनदेन का महज दसवां भाग ही सरकारी एजेंसी जब्त कर पाने में सफल हो पा रही है, जिसके कारण इस धंधे में शामिल कारोबारी का मनोबल ऊंचा बना रहता है। वह मानकर चलते हैं कि वह पकडे नहीं जाएंगे। भारत हेरोइन उत्पादन करने वाले देशो गोल्डन ट्रायंगल, थाईलैंड ,लाओस, म्यांमार और गोल्डन क्रिसेंट, अफगानिस्तान, पाकिस्तान ,ईरान के बीच में अवस्थित है ।हेरोइन का 90% उत्पादन इन्हीं दो क्षेत्र से होता है। भारत में हेरोइन मुख्यत म्यांमार ,पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आती है ।इसी वजह से देश के उत्तर पूर्वी और उत्तर पश्चिमी प्रदेशों में ड्रग्स का ज्यादा अवैध कारोबार होता है। ड्रग्स के कारोबार की रोकथाम के लिए मुख्य रूप से एनसीबी और राज्य पुलिस काम कर रही है। अन्य एजेंसिया जैसे डी आर आई, कस्टम और राज्य उत्पादन शुल्क की इस मामले में भूमिका सीमित है। मामले में सवाल का उठना लाजिमी है कि ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए उपाय क्या है? जांच एजेंसी द्वारा सिर्फ ड्रग्स पकड़ना मामले में काफी नहीं है।। जरूरत है ड्रग्स कारोबारियों के पूरे नेटवर्क को तोड़ा जाए। स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1885 से मिले अधिकार का उपयोग करके जांच अधिकारी ड्रग्स के कारोबार से अर्जित की गई। सभी संपत्तियों को पहचान करके उन्हें फ्रिज करें साथ ही साथ उनकी नीलामी में भी करवाए। वर्तमान में एजेंसियों के बीच तालमेल का भी अभाव है ।

ड्रग्स के काले गोरखधंधे को रोकने के लिए सीमा शुल्क के अधिकारी ,आयकर महकमे के अधिकारी ,पुलिस के अधिकारी ,राजस्व निदेर्शालय के अधिकारी और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को मिलकर काम करना चाहिए । ड्रग्स की खपत को कम करके भी इसके कारोबार को नियंत्रित किया जा सकता है ,लेकिन इसके लिए ड्रग्स का सेवन करने वालों को जागरूक बनाने की जरूरत है ।जब ड्रग्स का सेवन करने वाले उपभोक्ता ही नहीं रहेंगे तो स्वाभाविक रूप से ड्रग्स की आपूर्ति कम हो जाएगी ।गैस एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन व्यक्तियों को ड्रग्स के कारोबार के अपराध में गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अदालत द्वारा कम से कम 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा मिले।हो सके तो त्वरित अदालतों (फास्ट ट्रैक कोर्ट)का गठन कर मामले का निपटारा भी किया जाए। ऐसा होने पर ही ड्रग्स कारोबारियो के बीच भय का संचार होगा।

ड्रग्स केअवैध कारोबार ने समाज की समक्ष एक गंभीर खतरे को जन्म दिया है ।आज ड्रग्स का कारोबार देश की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गया है।यह देश के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बना हुआ है। जांच एजेंसियां ड्रग्स जरूर पकड़ रही है, लेकिन इसकी मात्रा को पर्याप्त कतई नहीं कहा जा सकता है। लिहाजा ड्रग्स का गोरखधंधा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और उन पर अंकुश लगाने के लिए उनकी संपत्ति को जप्त करना और उन्हें नीलाम करना बहुत ही जरूरी है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन वर्षों का सफर

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन वर्ष पूरे होने पर उसके द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियां के जो दावे किए हैं उसके बारे में पूरी गंभीरता से विश्लेषण किए जाने की जरूरत है। आम आदमी पार्टी ने सरकार में आने से पहले अपने चुनावी घोषणा पत्र में जो वादे किए थे, उसमें कितने पूरे हुए और कितने अधूरे बचे हैं इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानने की भी जरूरत है। पंजाब सरकार द्वारा बताई गई उपलब्धियों के संबंध में विरोधी पक्ष अकाली दल और कांग्रेस ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार ने कोई वादा पूरा नहीं किया, यह सरकार नादानों की सरकार है, जिसे सरकार चलाने का कोई ढंग नहीं और सरकारी तंत्र के सुस्त होने की बात कही। ये बात आप को याद होगी कि अकाली भाजपा के 10 वर्ष के शासन काल और बाद में कांग्रेस के 5 वर्ष के शासन काल से तंग आकर लोगों ने बदलाव लाने की ठानी, लोगों को आम आदमी पार्टी से बहुत आशाएं थीं, लोगों ने आम आदमी पार्टी को इसलिए ही चुना था कि न्याय का राज्य होगा, लोगों की आर्थिक मुश्किल कम होगी, भ्रष्टाचार मुक्त राज्य मिलेगा, परंतु तीन वर्ष बीत जाने के पश्चात लोगों को घोर निराशा ही देखने को मिल रही है। पंजाब के विधायक निरंकुश हो चुके हैं, कुछ किसानों की ट्रालियां चोरी कर रहे हैं, कुछ ट्रक यूनियन के प्रधानों के पद बेचते रहे, कुछ लोगों की प्रॉपर्टी पर कब्जा कर रहे हैं, कुछ गुंडागर्दी में लगे हुए हैं, आज पंजाब में आम आदमी का अस्तित्व खोता जा रहा है। सरकार की आर्थिक स्थिति तो पूरी तरह

ध्वस्त हो चुकी है, कर्ज लेकर कार्य चलाने पड़ रहे हैं, 3 करोड़ 15 लाख का कर्ज इस सूबे के सिर पर चढ़ गया है, जिसका बोझ सहन करना इसके लिए अति मुश्किल होता जा रहा है। क्योंकि सरकार की बड़ी आमदनी इस कर्ज का ब्याज अदा करने में जा रही है। सरकार कर्ज लेकर चल रहीं हैं, कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। पंजाब में बढ़ते नशे को रोकने के लिए पूर्व सरकारों की भांति यह सरकार भी बुरी तरह असफल रही है, 3 वर्ष पूरे होने के पश्चात नशा विरोधी युद्ध में केवल छोटे-मोटे नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है जबकि बड़े-बड़े मगरमच्छ सरकार की पहुंच से बाहर है। विपक्षी दल कह रहे हैं कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक और दो मंजिला मकानों पर पीला पंजा चलाया जा रहा है। जबकि बड़े-बड़े बंगलों और बड़ी कोठियों वालों को राजनीतिक और पुलिस का संरक्षण मिल रहा है। यहां आज भी युवा लोग नशे से ग्रस्त है, पिछले सप्ताह मात्र 5 दिनों में पंजाब में 15 से ज्यादा मौतें नशे का ओवरडोज लेने से हो गई है, सरकार बड़े-बड़े नशा तस्करों को समाप्त करने में सफल नहीं हो रही। आम आदमी पार्टी के नेता कहा करते थे कि पंजाब में किसी भी माफिया को पनपने नहीं दिया जाएगा, आज परिवहन के मामले में मुट्ठी भर लोगों का हाथ, माइनिंग के क्षेत्र में रेत बजरी का काला धंधा पहले की तरह चलते रहने और शराब माफिया को और मजबूत होने पर आम आदमी नेताओं की पोल खुल गई है। भगवत सिंह मान ने आने वाले वर्षों में एक लाख सरकारी नौकरियां और निजी क्षेत्र में 20 लाख नौकरियां देने की घोषणा की थी, लेकिन 3 वर्षों के शासनकाल में इस क्षेत्र में दर्शाए या निर्धारित लक्ष्य का कहीं अता पता नहीं है। लाखों की बजाय कुछ हजार नौकरियां देकर जनता में वाहवाह प्राप्त करने की कोशिश की गई है। बेरोजगारी भत्ता और लैपटॉप देना आज बहुत दूर की बात रह गई है। महिलाओं को प्रति माह हजार रुपए देने की बात हवा हवाई हो चुकी है। 3 वर्ष बीत जाने के पश्चात चौथे वर्ष के बजट में भी महिलाओं को 1000 रुपए देने का कोई प्रावधान नहीं किया गया। कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में जोर-जोर से प्रचार किया था, पंजाब के मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को पक्का करने और किसानों का पूरा कर्ज माफ करने की बात की थी, इन सब मामलों में आज वोटर अपने आप को ठगा महसूस कर रहे है। होटलों में देह व्यापार, जुए के अड्डे, गैर कानूनी कामों के ठेके बढ़ रहे हैं। मान सरकार जिसका नारा है भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, इसी राज्य में भ्रष्टाचार के रेट बढ़ गए हैं, नशा बेचने वाले कैमिस्टों से मोटी रकमें वसूली जा रही हैं।

– सुभाष आनंद

छात्रों के लिए डीडीए नए पुस्तकालय स्थापित करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के सामुदायिक हॉल और केंद्रों को पुस्तकालयों में परिवर्तित किया जा रहा है। चार नए पुस्तकालय अगले महीने छात्रों के लिए शुरू हो जाएंगे। प्रत्येक पुस्तकालय में एक समय में 60 छात्रों के बैठने की व्यवस्था होगी। इनमें छात्रों के लिए खाने के लिए भोजनालय, लॉक, सभी सीटों पर पावर प्लग और गर्मियों में एसी की व्यवस्था प्रदान की जाएगी। पुस्तकालय की सीसीटीवी कैमरे के जरिए निगरानी भी होगी। इसके अतिरिक्त छात्रों को वाईफाई की सुविधा भी उपलब्ध होगी। डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण के विभिन्न जोन में कुल 89 सामुदायिक हॉल हैं। रोहिणी जोन में 15, उत्तरी जोन में 10, द्वारका जोन में 30, दक्षिण जोन में 11, पूर्वी जोन में 19 और नरेला जोन में चार सामुदायिक हॉल हैं। इनमें से ज्यादातर को पुस्तकालय में परिवर्तित करेंगे। इसके लिए कार्य योजना बनाई है। डीडीए के ओल्ड राजेंद्र नगर में स्थित सामुदायिक हॉल को आरंभ पुस्तकालय में बदलकर उसे छात्रों के लिए शुरू कर दिया है। इसमें चौबीस घंटे के दौरान छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा को लेकर तैयारी कर रहे हैं। इसी की तर्ज पर अगले महीने मई में अधचिनी, विकासपुरी में, द्वारका सेक्टर-16बी और रोहिणी सेक्टर-11 में भी आरंभ पुस्तकालय को शुरू करेंगे। इनमें आठ घंटे की तीन शिफ्ट में छात्रों को पुस्तकालय में सुविधा प्रदान होगी। अधिकारियों ने बताया कि डीडीए की योजना के तहत दिल्ली में उन सभी स्थानों पर पुस्तकालय शुरू कर रहे हैं, जहां पर काफी संख्या में छात्र रहते हैं। सिविल सेवा, मेडिकल, इंजीनियरिंग और सीए जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को इन पुस्तकालय में शुरू होने से सहयोग मिलेगा। बीते वर्ष जुलाई के अंत में ओल्ड राजेंद्र नगर के एक निजी पुस्तकालय के बेसमेंट में बारिश का पानी भरने के कारण तीन छात्रों की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उपराज्यपाल के साथ विभिन्न बैठकों करने के बाद डीडीए के सामुदायिक हॉल को पुस्तकालय में बदलने की योजना बनाई गई। अब विभिन्न स्थानों में पुस्तकालय शुरू करने का कार्य तेजी से कर रहे हैं।

दिल्ली मेट्रो में शराब पीते युवक का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो से रोजाना अलग-अलग तरह के वीडियो वायरल होते रहते हैं। कभी किसी डांस, लड़ाई या खुलेआम इश्क फरमाते कपल का वीडियो सोशल मीडिया पर देखने को मिल जाता है। इसी बीच एक युवक का वीडियो सामने आया है। जिसमें वह दारू पीता है और अंडा छीलकर खाता है। इतना ही नहीं शख्स इस दौरान आसपास नजरें दौड़ाकर इत्मीनान कर लेता है कि उसे कोई नहीं देख रहा है। इसके बाद अंडे के छिलकों को पॉलीथिन में डालकर बैग में रख देता है। वीडियो दिल्ली मेट्रो का है। जिसमें एक युवक आराम से अपनी सीट पर बैठा है। उसके बगल की सीट खाली है। उसके हाथ में कांच का एक गिलास है जिसमें पीले रंग की लिक्विड दिख रही है। इसे शराब बताया जा रहा है। वह इसकी घूंट पीता है फिर अंडा खाता है। एक अंडा खत्म होने पर बैग से दूसरा निकालता है और उसे छीलकर पैग पीते हुए खाता है। इस दौरान वह आसपास नजरें दौड़ाता भी दिखता है। जैसे इस बात की तसल्ली कर रहा हो कि उसे कोई नहीं देख रहा। वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। एक्स पर संदीप ठाकुर ने इसे शेयर करते हुए लिखा है, ''दिल्ली मेट्रो में बस यही देखना बाकी रह गया था।'

यूजर्स ने दिए मिक्स रिएक्शन

वायरल वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स ने मिक्स रिएक्शन दिए हैं। कुछ का कहना है कि दिल्ली मेट्रो में जब शराब प्रतिबंधित है तो युवक उसे लेकर कैसे आया। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि वह शराब पी रहा है लेकिन किसी को परेशान नहीं कर रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'ये पुलिस वाला है, इसके जूते देखो।' दूसरे ने लिखा, 'इस वीडियो में क्या गलत है? क्या कोई शांति से समझा सकता है? उसने बिना किसी को परेशान किए कुछ ड्रिंक पी और उबला हुआ अंडा खाया, कोई गड़बड़ नहीं की। लोग इस पर क्यों नाराज हो रहे हैं?' तीसरे यूजर ने लिखा, 'इसपर फाइन लगना चाहिए, यह कोई मजाक की बात नहीं है।' चौथे यूजर ने लिखा, 'दिल्ली मेट्रो, दिल्ली पुलिस कृपया इसका संज्ञान लेकर इसे उचित दंड दें।'

दिल्ली में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सोमवार सुबह मौसम गर्म रहा और न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिन में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है तथा लू के संबंध में 'येलो' चेतावनी जारी की गई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 230 दर्ज किया गया जो खराब श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच का एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच का एक्यूआई 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच का एक्यूआई 'मध्यम', 201 से 300 के बीच का एक्यूआई 'खराब', 301 से 400 के बीच का एक्यूआई 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच का एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली छावनी में 19 वर्षीय युवती पर चाकू से सरेआम हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के किर्बी प्लेस बस अड्डा इलाके में एक व्यक्ति ने 19 वर्षीय युवती पर सरेआम चाकू से कई वार किये। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बाद में हमलावर (20) ने उसी चाकू से खुद को भी घायल कर लिया। पुलिस को एक राहगीर ने रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे इस घटना की जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, ''लड़की की गर्दन और पेट के बाएं हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं। घटनास्थल से एक चाकू बरामद किया गया है। दोनों (पीड़िता एवं हमलावर) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज जारी है।'' जांच में पता चला कि आरोपी अमित और पीड़िता पिछले एक साल से दोस्त थे और किसी बात को लेकर उनके बीच मनमुटाव हो गया था।

'शीशमहल' का इस्तेमाल जनता के हित में ही किया जाएगा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक बार फिर साफ किया है कि वह उस बंगले में नहीं रहेंगी जिसमें बतौर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रहा करते थे। भाजपा इस बंगले में सुख-सुविधा के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च का आरोप लगाती है और शीशमहल नाम से पुकारती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा है कि %शीशमहल% का इस्तेमाल जनता के हित में ही किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए 3 विकल्प गिनाते हुए यह भी कहा कि इसे नीलाम भी किया जा सकता है।

न्यूज 24 को दिए एक इंटरव्यू में रेखा गुप्ता ने कथित शीशमहल को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, %जरूर जनता के हित में उस प्रॉपर्टी का इस्तेमाल करेंगे। बहुत सारे विकल्प आ रहे हैं, जनता सुझाव देती है। इसे स्टेट गेस्ट हाउस बना दिया जाए क्योंकि दिल्ली का अपना कोई स्टेट गेस्ट हाउस नहीं है, ऐसा भी मन में है। इसकी नीलामी करा दी जाए और जितना पैसा मिलेगा उसे वापस सरकारी खजाने में जमा करा दिया जाए, ऐसा भी हम सोचते हैं। इसको जनता के लिए खोल दिया जाए, लोग आएं और देखें। कुछ भी संभव है। हम विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।' इससे पहले रेखा गुप्ता यह भी कह चुकी हैं कि शीशमहल को म्यूजियम बनाने पर भी विचार चल रहा है।

सीएम रेखा गुप्ता ने इस इंटरव्यू के दौरान यह भी साफ किया कि वह शीशमहल में नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा, 'शीशमहल रहने लायक नहीं है, हमारी आत्मा यह गवाही नहीं देती है। जो जनता को नोंचकर पैसा इकट्ठा किया गया और महल बनाया गया। उस घर में रहना संभव नहीं है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अपने पुराने घर में ही रह रही हैं। वहीं से अपना ऑफिस चला रही हैं। सीएम ने कहा कि यह छोटा जरूर है, लोग ज्यादा आने लगे हैं। गली में ही टेबल चेयर लगा लेते हैं। जब सरकारी घर जिस लायक मिलेगा तब मिलेगा, तब तक अपने घर से काम चल रहा है।

निर्माण स्थल पर ढहने से श्रमिक की मौत, ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीर्ति नगर थाना इलाके के सरस्वती गार्डन इलाके में एक मार्च को निर्माण कार्य के दौरान अचानक एक दीवार ढह गई, जिसके नीचे दबकर एक श्रमिक की जान चली गई। मृतक की पहचान बसई दारापुर के महेंद्र यादव के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में इस घटना ने ठेकेदार की लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की बात सामने आई है। कीर्ति नगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सरस्वती गार्डन इलाके में मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। यहां पर काम कर रहे श्रमिक महेंद्र यादव पर अचानक दीवार गिर गई और वह उसके नीचे दब गए। आसपास के श्रमिकों ने उसे बाहर निकाला और ठेकेदार को जानकारी दी।

ई-रिक्शा चालक अब्दूल रहमान ने आंखों देखा हाल बयान किया

ई-रिक्शा चालक अब्दूल रहमान ने इस मंजर का आंखों देखा हाल बयान किया। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल को वह आचार्य भिक्षू अस्पताल के पास खड़े थे, तभी एक शख्स दहशत में उनके पास भागकर आया और चिल्लाया, 'जल्दी बसई अस्पताल चलो!' उसने घायल महेंद्र को ई-रिक्शा में लेटाया, लेकिन रास्ते में ही उसकी सांसें थम गईं। अस्पताल पहुंचते ही डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद ठेकेदार ने शव को मानसरोवर पार्क के सरोवर अस्पताल ले जाने का ड्रामा रचा, जहां भी मौत की पुष्टि हुई।

ई-रिक्शा में डालकर सरस्वती गार्डन की साइट पर भेज दिया

इसके बाद ठेकेदार ने शव को ई-रिक्शा में डालकर सरस्वती गार्डन की साइट पर भेज दिया, लेकिन खुद साथ नहीं गया। एक अन्य श्रमिक को रिक्शा में बिठाया, जो साइट पर पहुंचते ही गायब हो गया। ठेकेदार भी काफी देर तक फरार रहा। अब्दूल अकेला शव के साथ काफी देर तक इंतजार करता रहा। आखिरकार, हिम्मत जुटाकर उसने पुलिस को काल किया और सारी बात बताई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पुलिस के पहुंचते ही मृतक महेंद्र यादव की पत्नी रोते-बिलखते मौके पर आई, और ठेकेदार भी मजबूरी में हाजिर हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और अब्दूल को उसका किराया दिलवाया। जांच में खुलासा हुआ कि दीवार गिरने से महेंद्र मलबे में दब गया था, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट हुई थी और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी तड़प-तड़पकर मौत हो गई। मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

दिल्ली की जनता समय आने पर भाजपा को देगी जवाब : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रोहिंग्या के मुद्दे पर वह दोहरा रवैया अपना रही है। पार्टी के नेता और विधायक संजीव झा ने दावा किया कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद, जिन रोहिंग्याओं को भगाने का वादा किया गया था, अब उन्हीं को बसाने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि करावल नगर विधानसभा क्षेत्र के खजूरी खास में स्थित दो सरकारी स्कूलों में रोहिंग्या समुदाय के 19 बच्चों को दाखिला दिया गया है। इन स्कूलों में से एक सर्वोदय बाल विद्यालय है, जिसमें 10 बच्चों को एडमिशन मिला है, जबकि एसकेवी स्कूल में 9 बच्चों को दाखिला दिया गया है। यह क्षेत्र भाजपा नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के विधानसभा क्षेत्र में आता है। चुनावों के दौरान भाजपा के बड़े नेताओं ने मंचों से ऐलान किया था कि रोहिंग्याओं को दिल्ली से बाहर निकाला जाएगा, लेकिन अब उन्हीं को संरक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा जानबूझकर रोहिंग्याओं को दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में बसा रही है, ताकि चुनावों में उन्हें मुद्दा बनाकर राजनीतिक लाभ उठाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी रोहिंग्या बच्चे का स्कूल में दाखिला पात्रता की जांच के बाद ही दिया जाए। ऐसे में अगर इन बच्चों को सरकारी स्कूलों में एडमिशन मिला है तो इसका अर्थ है कि भाजपा सरकार ने इन्हें पात्र मान लिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सुप्रीम कोर्ट का हवाला अपने अनुसार देती है, लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को पूरी शक्तियां देने की बात कही थी, तब उसे नजरअंदाज कर दिया गया। रोहिंग्या भारत की सीमा पार करके दिल्ली तक कैसे पहुंच जाते हैं? क्या सरकार की कोई भूमिका नहीं है? क्या यह सब जानबूझकर किया जा रहा है, ताकि इन्हें चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके? उन्होंने कहा कि भाजपा स्पष्ट करे कि देश के किन हिस्सों में और कितने रोहिंग्या बसाए गए हैं। अगर भाजपा जनता को गुमराह करने का यह खेल जारी रखेगी, तो देश की जनता उसे मुंहतोड़ जवाब देगी। भाजपा जो वादा करती है, उसे निभाती नहीं है, और जो नहीं कहती, उसे कर डालती है। दिल्ली की समझदार जनता भाजपा के इस दोहरे चरित्र को भली भांति समझती है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने बताया किसे मानती हैं अपना आदर्श

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी ने सरकार बनाकर राजधानी की कमान महिला के हाथों में थमाई है। सीएम बनने के पीछे और बाद की कहानी बताते हुए रेखा गुप्ता ने अपनी पसंद और आदर्श के बारे में भी खुलकर बात की। जानिए उन्होंने किसे अपना आदर्श बताया और सीएम बनने के बाद की कहानी कैसे एक फिल्म से जुड़ी है, जिसे रेखा गुप्ता बेहद पसंद करती हैं। सीएम रेखा ने एक न्यूज इंटरव्यू में पीएम नरेंद्र मोदी के काम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा 'ही इज़ अ आइडियल' (वह एक आदर्श हैं। उनको फॉलो करना, उनके जैसा बनना है। रेखा गुप्ता ने कहा कि पीएम मोदी का कोई कंपैरिजन (तुलना) नहीं है। ही इज़ दी टॉप ऑफ दि वर्ड। सीएम रेखा ने पीएम मोदी के अलावा भी कई नेताओं के नाम लिए, जिन्हें उन्होंने अपना आदर्श बताया। मैं नितिन गडकरी जी की सिंपलीसिटी देखकर उन्हें अपना आदर्श मानती हूं। सुषमा स्वराज जी को अपना आदर्श मानती हूं। अरुण जेटली जी को भी अपना आदर्श मानती हूं। मेरे बहुत से आदर्श हैं। जी करता है कि सबका अच्छा-अच्छा हिस्सा मैं ले लूं। उनका काम करने का तरीका, उनका विजन, उनकी क्षमता सब बेहतरीन हैं। सीएम ने कहा कि उन्होंने अपने इतने लंबे कार्यकाल के दौरान एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली। मैं अक्सर उन्हें देखती हूं कि बैठे हैं, बातचीत कर रहे हैं, किसी स्टेज पर हैं तो कभी उनके चेहरे पर उबासी नहीं देखते। कभी उनके चेहरे पर नींद नहीं देखते। वह आदर्श हैं। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने एक न्यूज इंटरव्यू के दौरान बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद पहले तो ऐसा लग रहा था कि मानो कोई 'नायक मूवी' चल रही है। लेकिन, अब एहसास होना शुरू हो गया है। क्योंकि, अब ये मूवी खत्म नहीं हो रही है। अब ऐसा लग रहा है कि ये रियल स्टोरी चल रही है। सीएम ने कहा कि मुझे ये फिल्म पसंद है। मुझे पूरी फिल्म याद है। इसका एक-एक लाइन और शब्द याद है। ये मूवी उस समय की दिल में और दिमाग में घुसने वाली मूवी थी। क्योंकि जो लोग कुछ सोसाइटी के लिए कुछ करना चाहते थे, उनके लिए प्रेरणा थी। आपको बता दें कि नायक एक राजनीतिक एक्शन फिल्म है। इसका मुख्य किरदार अनिल कपूर एक दिन का मुख्यमंत्री बनकर शहर में बड़े और सकारात्मक बदलाव करता है।

दिल्ली में मुफ्त बस सफर किन महिलाओं के लिए हो जाएगा बंद, 2 नियम समझ लीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद कई तरह के बदलावों की शुरुआत हो गई है। इनमें से एक यह है कि अब दिल्ली में बस सफर सबके लिए मुफ्त नहीं होगा। वजह यह है कि रेखा गुप्ता सरकार 'पिंक टिकट' सिस्टम को खत्म करने जा रही है। दिल्ली की बसों में मुफ्त सफर के लिए महिलाओं को अब स्मार्ट कार्ड दिए जाएंगे।

दिल्ली में परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, मुफ्त बस सफर के लिए स्मार्ट कार्ड की जल्द शुरुआत होने जा रही है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के बाद जिन महिलाओं को यह कार्ड मिलेगा उन्हें ही मुफ्त बस सफर का लाभ मिलेगा। फिलहाल जब तक स्मार्ट कार्ड की शुरुआत नहीं होती है तब तक पिंक टिकट के जरिए सफर की सुविधा जारी रहेगी।

किनको नहीं मिलेगा मुफ्त बस सफर, दो नियम

परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक मुफ्त बस सफर योजना का लाभ दिल्ली की महिलाओं को ही मिलेगा। इस सुविधा का लाभ तभी लिया जा सकता है जब आपके पास स्मार्ट कार्ड होगा। इन दो नियमों का मतलब यह है कि जिन महिलाओं के आधार या वोटर कार्ड में दिल्ली का पता नहीं है उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा दिल्ली की उन महिलाओं को भी मुफ्त बस सफर का लाभ नहीं मिलेगा जो इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन नहीं कराएंगी।

क्यों ऐसा बदलाव करने जा रही है भाजपा सरकार

दरअसल, भाजपा सरकार का आरोप है कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान मुफ्त बस सफर के नाम पर बड़े पैमाने पर घोटाला किया जा रहा था। दिल्ली की मुरयमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि जितनी महिलाएं सफर कर रही थीं उनसे कहीं अधिक टिकट जारी करके सरकार से भुगतान प्राप्त किया जा रहा था। गुप्त ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा में कहा था, 'हम महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं... भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम महिलाओं के लिए डिजिटल यात्रा कार्ड शुरू करेंगे, जो उन्हें सरकारी बसों में कभी भी स्वतंत्र रूप से मुफ्त यात्रा करने की सुविधा देगा, जिससे टिकट से जुड़ा 'गुलाबी भ्रष्टाचार' खत्म हो जाएगा।'

डीएसईयू में फीस वृद्धि और सुविधाओं के अभाव में छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीएसईयू) में की गई फीस वृद्धि के खिलाफ सोमवार को छात्रों ने प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में ओखला स्थित जी.बी. पंत इंजीनियरिंग कॉलेज में विद्यार्थियों ने धरना प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि प्रशासन ने 1,34,000 रुपए से फीस बढ़ाकर 1,76,000 रुपए कर दिया है। प्रशासन द्वारा बार-बार अनसुनी की गई छात्रों की मांगों और निष्कासन की धमकियों के चलते एबीवीपी के नेतृत्व में कॉलेज में तालाबंदी कर कई घंटों तक धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने निदेशक को ज्ञापन सौंपते हुए सभी समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग भी की। एबीवीपी दिल्ली प्रांत के मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अप्रत्याशित शुल्क वृद्धि छात्र छात्राओं के लिए अत्यंत ही चिंताजनक है। यहां के छात्र सिर्फ फीस की समस्या से नहीं बल्कि मूलभूत सुविधाओं से भी जूझ रहे हैं, जिसके विरुद्ध छात्रों ने प्रदर्शन किया। लंबे प्रदर्शन के बाद विद्यार्थियों ने निदेशक के समक्ष अपनी मांगे रखी, जिसको जल्दी पूरा करने का आश्वासन प्रशासन ने दिया है। यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो इस मुद्दे को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति का भी घेराव हम लोग करेंगे।

मेधा पाटकर ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय को हाई कोर्ट में दी चुनौती, मानहानि मामले में दिया था दोषी करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 07 अप्रैल (वेब वार्ता)। मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी करार देने के निर्णय को नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता और कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। साकेत कोर्ट ने वर्ष 2001 में विनय कुमार सक्सेना द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराए गए मानहानि मामले में दोषी करार देते हुए जुर्माना लगाया था। मानहानि याचिका वर्तमान में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दायर की थी। न्यायमूर्ति शालिंदर कौर की पीठ ने सोमवार को मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद 19 मई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

पाटकर ने दो अप्रैल के निर्णय को दी चुनौती

पाटकर ने मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील को खारिज करने वाले दो अप्रैल के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को चुनौती दी है। पाटकर ने इसके साथ ही सजा पर दलीलें पेश करने के लिए ट्रायल कोर्ट के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश देने संबंधी आदेश को भी चुनौती दी है।

मामले पर सुनवाई के दौरान पाटकर की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष कहा कि अपील वाद को खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट ने उनके मुवक्किल को सजा पर दलीलें पेश करने के लिए व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश देने का आदेश पारित करने में गलती की।

व्यक्तिगत पेशी से बचने के लिए पाटकर कर सकती हैं आवेदन

अधिवक्ता ने कहा कि अपील खारिज करने के बाद, ट्रायल कोर्ट सजा पर अलग से आदेश पारित करने का आदेश पारित नहीं कर सकता था। हालांकि, पीठ का मानना था कि इस स्तर पर याचिका समय से पहले दायर की गई है और पाटकर व्यक्तिगत रूप से पेश होने में असमर्थता के बारे में ट्रायल कोर्ट के समक्ष उचित आवेदन पेश कर सकती हैं।

कोर्ट से सहमत होते हुए अधिवक्ता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के समक्ष उचित आवेदन पेश करेंगे। ट्रायल कोर्ट ने मामले में मेधा पाटकर को पांच महीने के कारावास और 10 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाया था। पाटकर को आपराधिक मानहानि के अपराध के लिए दोषी ठहराया गया था।

दिल्ली में 2026 से पेट्रोल और सीएनजी दोपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन बंद, नई ईवी पॉलिसी लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में बड़ा बदलाव होने वाला है। बढ़ती पेट्रोल और डीजल की कीमतों के कारण लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुझान बढ़ा रहे हैं। दिल्ली सरकार ने इस बदलाव को ध्यान में रखते हुए एक नई पॉलिसी तैयार करने की योजना बनाई है, जिसका ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। आइए जानते हैं इस पॉलिसी में क्या-क्या बदलाव होने वाले हैं।

सीएनजी ऑटो रिक्शा पर बड़ा बदलाव- नई पॉलिसी के तहत, 15 अगस्त 2025 से दिल्ली में नए सीएनजी ऑटो का रजिस्ट्रेशन बंद कर दिया जाएगा। इसके साथ ही, पुराने सीएनजी ऑटो के परमिट को इलेक्ट्रिक ऑटो परमिट में बदला जाएगा। 10 साल से पुराने सभी सीएनजी ऑटो को अब इलेक्ट्रिक ऑटो में बदलना अनिवार्य होगा।

पेट्रोल, डीजल और सीएनजी दो-पहिया वाहनों पर रोक- 15 अगस्त 2026 से दिल्ली में कोई भी नया पेट्रोल, डीजल या सीएनजी दो-पहिया वाहन रजिस्टर नहीं किया जा सकेगा। यह फैसला दिल्ली के पर्यावरणीय सुधारों के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहन की ओर बढ़ेगी सिटी बसें- दिल्ली में अब सिर्फ इलेक्ट्रिक बसों की ही खरीदारी होगी। BS-VI बसों का इस्तेमाल केवल राज्य के बाहर किया जाएगा। कचरा उठाने वाले वाहनों को 31 दिसंबर 2027 तक 100त्न इलेक्ट्रिक वाहन में बदल दिया जाएगा।

निजी कारों पर भी लागू होंगे नियम- यदि किसी व्यक्ति के पास पहले से दो कारें हैं, तो तीसरी कार केवल इलेक्ट्रिक होनी चाहिए, बशर्ते रजिस्ट्रेशन उसी पते पर हो। यह कदम दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।

सरकार बदलते ही दिल्ली से गायब हो गए केजरीवाल : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली में बहुत कम ही दिखाई पड़ते हैं। दिल्ली चुनाव के बाद से केजरीवाल के इस रुख में बदलाव आया है। उन्हें दिल्ली में अंतिम बार 23 मार्च को शहीद भगत सिंह से जुड़े एक कार्यक्रम में देखा गया, जहां उनके निशाने पर बीजेपी सरकार थी। दिल्ली से ज्यादा केजरीवाल पंजाब के पार्टी और मान सरकार के कार्यक्रमों में जरूर दिखते हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने अब इसपर तंज कसा है। उन्होंने एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में अरविंद केजरीवाल को बेताल तक कह डाला। यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में रेखा गुप्ता से पूछा गया कि आपने तो आते ही केजरीवाल को गायब कर दिया। वो तो कहीं दिखते ही नहीं। इसपर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें हमने नहीं गायब किया, उन्हें उनके कर्मों ने दिल्ली से गायब किया है। पहले वह दिल्ली की पीठ पर चढ़कर विक्रम-बेताल वाले बेताल बने और अब पंजाब की पीठ पर चढ़कर वहां बेताल बन रहे हैं। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान केजरीवाल सरकार की पिछली फाइलों को खोलने पर भी जवाब दिया। रेखा गुप्ता ने कहा कि जहां से आप परत हटा दीजिए, उसके अंदर फंगस ही फंगस है। ऐसा भ्रष्टाचार है, जहां से बी देखा रोंगटे खड़े हो गए। लगा कि भाई क्या आदमी था ये? उन्होंने आगे कहा कि केजरीवाल को कोई भय नहीं था। वो फाइलों पर साइन भी नहीं करते थे, लगा कि फसूं तो मैं न फसूं।

फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ जांच के लिए बनाई कमेटी, मेल पर अभिभावक कर सकेंगे शिकायत: आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस बढ़ाने को लेकर के आम आदमी पार्टी भाजपा पर हमलावर है। आप की ओर से लगातार भाजपा सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि वह स्कूलों को फीस बढ़ाने से रोकने में विफल रही है। इसको लेकर के दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार के नेताओं ने शिक्षा के मंदिर स्कूलों में भ्रष्टाचार किया है।

आशीष सूद ने आगे कहा कि सीएम रेखा गुप्ता के आदेश पर पहली बार डीएम के नेतृत्व में डीपीएस द्वारका में कमेटी गई है। डीपीएस द्वारका में लगातार फीस बढ़ाई जा रही थी। अभिभावक कई बार इसकी शिकायत कर चुके थे। यह सीएम रेखा गुप्ता की सरकार है और हमने एक कमेटी बनाई है जो सारी जांच करेगी। सीएम रेखा गुप्ता की सरकार ने एसडीएम को निर्देश दिया है। 18 सवाल बनाए गए हैं, इसके जवाब स्कूलों को देने होंगे।

सूद ने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि बेरोजगार नेता रोज आकर के बच्चों से जुड़े संसेटिव इश्यू को मुद्दा बना रहे हैं। इस दौरान शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने एक मेल आईडी जारी कर कहा कि अब कोई भी अभिभावक फीस से जुड़े मुद्दे को लेकर शिकायत कर सकता है। हमने एक मेल आईडी जारी कर दी है। मेल आईडी स्रस्रद्गड्डष्ह्ल1ञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्शद्व पर अभिभावक स्कूल द्वारा फीस बढ़ाने की शिकायत कर सकते हैं। हम स्कूलों की जांच कराएंगे और मुकदमा दर्ज कराएंगे। 10 दिन में कौन कौन से स्कूलों ने फीस बढ़ाई हम वेबसाइट पर डाल देंगे।

सूद ने कहा कि यह लोग (आम आदमी पार्टी) बोलते थे कि हमने फीस बढ़ने नहीं दी। आप नेताओ को अरविंद केजरीवाल को ढोना पढ़ रहा है। पहले सीबीआई को बी टीम बताया करते थे अब सीबीआई से ही जांच की बात कर रहे हैं। मनीष सिसोदिया को चुनौती देता हूं कि अगर उनके पास सबूत है तो उसे लेकर थाने में जाएं और एफआईआर दर्ज कराकर दोषियों को दंडित कराएं।

आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली में 1677 प्राईवेट स्कूल हैं। 355 स्कूल सरकारी लैंड पर हैं। हम पर आरोप लगाया जा रहा है कि दिल्ली में स्कूलों की फीस बढ़ाई जा रही है। मैं चैलेंज करना चाहूंगा। हम जांच कराएंगे कि आखिर कौन कौन रिश्वत लेता था। स्कूल विद्या के मंदिर होते हैं। एक प्राईवेट स्कूल 15 करोड रुपए का घपला करते हुए पकड़ा गया। लेकिन, पिछली सरकार द्वारा उसे 15 फ़ीसदी फीस बढ़ाने की अनुमति दे दी गई। शिक्षा के लिए कैसी देखरेख में पिछली सरकार जुटी हुई थी, यह किसी

छुपा नहीं है। वहीं दूसरे स्कूल में पिछली सरकार के दौर में 14 फीसदी फीस बढ़ाई।

'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत म्यांमार के भूकंप पीड़ितों के लिए 405 टन चावल लेकर पहुंचा नौसेना का जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप से प्रभावित म्यांमार की सहायता के लिए भारत सरकार के 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत 405 टन चावल सहित 442 टन राहत सामग्री की एक नई खेप लेकर नौसेना का जहाज म्यांमार के शहर यांगून पहुंच चुका है। रविवार को इस विषय में जानकारी देते हुए नौसेना ने बताया कि नौसैनिक जहाज 'आईएनएस घड़ियाल' 405 टन चावल सहित 442 टन राहत सामग्री के साथ 5 अप्रैल को यांगून पहुंचा है। यह राहत सामग्री भारत के राजदूत अभय ठाकुर ने यांगून क्षेत्र के मुख्यमंत्री यू सोई थीन को सौंपी है। म्यांमार में प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए नौसेना ने अभी तक 512 टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई है। हिंद महासागर क्षेत्र में प्रथम प्रक्रिया कर्ता के रूप में, भारतीय नौसेना के जहाजों द्वारा बड़े पैमाने पर राहत सामग्री पहुंचाना, म्यांमार में प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय नौसेना के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। गौरतलब है कि म्यांमार में 28 मार्च को विनाशकारी भूकंप आया था। इसके बाद से भारत सरकार ने म्यांमार के लोगों की मदद के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया। ऑपरेशन ब्रह्मा के अंतर्गत एक अप्रैल को नौसेना के जहाज घड़ियाल को चावल, खाद्य तेल और दवाओं सहित करीब 442 टन राहत सामग्री के साथ म्यांमार के लिए रवाना किया गया था।

बीजेपी सांसद का दावा कोलकाता में रामनवमी जुलूस पर हुआ हमला, ममता सरकार को घेरा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के पार्क सर्कस इलाके में रामनवमी के जुलूस के दौरान कथित रूप से हमला हुआ है। इस हमले में कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया और कारों के शीशे तोड़े गए। रामनवमी जुलूस पर हमला का दावा कर रहे बीजेपी सांसद ने सीधे तौर पर इस हमले के लिए राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा है, कि शोभायात्रा से लौटते वक्त भगवा झंडा ले जाने के कारण हिंदुओं पर हमला किया गया। वाहनों पर पत्थर बरसाए गए, विंडशील्ड तोड़ दिए गए। यह एक सुनियोजित और लक्षित हिंसा थी। उन्होंने आगे लिखा, रामनवमी पर एकजुट हुए बंगाली हिंदुओं की आवाज से ममता सरकार डर गई है। पार्क सर्कस में हुआ यह हमला साबित करता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। लेकिन यह तो बस शुरुआत है, अगले साल इससे भी बड़ा और भव्य जुलूस यहीं से निकलेगा।

पुलिस ने हमले का किया खंडन

बीजेपी सांसद के इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कोलकाता पुलिस ने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया है। पुलिस का कहना है कि पार्क सर्कस इलाके में कथित घटना के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि वहां किसी भी धार्मिक जुलूस के लिए अनुमति नहीं ली गई थी, और न ही ऐसी कोई गतिविधि दर्ज हुई है। एक वाहन को नुकसान पहुंचने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर स्थिति नियंत्रित की। मामले की जांच जारी है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की जाती है।

38 फ़ीसदी पैकेज फूड में फंगस, 341 जिलों में सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बिक रहे पैकेज फुड के सर्वे में 38 फ़ीसदी पैकेज्ड फूड में फंगस पाया गया है।सर्वे के दौरान जांच में पैकेज फुड में कीड़े फंगस और अन्य गंदगी पाई गई है।जिन पैकेजड फुड की जांच की गई है। उसमें आइसक्रीम, जूस,इंस्टेंट नूडल्स, ब्रेड, आटा और स्नैक्स शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य दिवस के पहले स्थानीय स्तर पर जो सर्वे कराया गया है। उसमें ब्रांडेड पैकेज फूड मे लगभग 38 फ़ीसदी उत्पादों में फंगस देखने को मिला है। यह सर्वे भारत के 341 जिलों में कराया गया है। 40000 से ज्यादा उपभोक्ताओं को इस सर्वे में शामिल किया गया।इनमें 62 फ़ीसदी पुरुष और 38 फ़ीसदी महिलाएं थी। सर्वे में शामिल 88 फ़ीसदी उपभोक्ताओं ने स्वीकार किया है।राज्य खाद्य विभाग को पूरे सप्लाई चैन सिस्टम की ऑडिट और निगरानी बढ़नी चाहिए। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है। कीड़े या फंगस युक्त फूड खाने से फूड प्वाइजनिंग, एलर्जी, संक्रमण और पाचन संबंधी कई समस्याओं से उपभोक्ताओं को जूझना पड़ रहा है। सर्वे में शामिल 59 फीसदी लोगों का कहना था। वह धीरे-धीरे पैकेज्ड फूड से दूरी बना रहे हैं। यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

नौकरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बीजेपी ने ममता से मांगा इस्तीफा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और बीजेपी विधायकों ने ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एसएससी शिक्षकों की नौकरी जाने के बाद वे सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि ममता को जेल जाना चाहिए। वह मुख्य लाभार्थी हैं। उनके भतीजे ने 700 करोड़ रुपए की रिश्वत ली है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार और सीएम ममता उन 26000 लोगों के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी है। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की इसमें बड़ी भूमिका है। इससे पहले अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण नौकरी गंवाने वाले कुछ शिक्षकों से मुलाकात की थी और उन्हें कानूनी सहायता देने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 2016 की भर्ती परीक्षा के इन 'बेदाग' योग्य उम्मीदवारों के सामने आई स्थिति के लिए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 की भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पाए जाने और पूरे पैनल को रद्द करने के बाद राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के 25 हजार से ज्यादा शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। बीजेपी विधायक ने कहा कि आज वह कई शिक्षकों से मिले जिनमें कई महिलाएं भी शामिल थीं। वे सभी दुखी हैं। मैंने उनसे कहा कि कानून आपके पक्ष में है। सत्य आपके पक्ष में है। हम आपको कानूनी सहायता देंगे।

किरेन रिजिजू ने सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ ट्यूलिप गार्डन की सैर की, भड़क गईं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के खूबसूरत ट्यूलिप गार्डन में एक साथ शांतिपूर्ण सुबह की सैर का आनंद लिया। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। सोशल मीडिया पर किरेन रिजिजू ने लिखा, 'श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में ट्यूलिप गार्डन के जीवंत रंगों के बीच माननीय सीएम उमर अब्दुल्ला जी के साथ एक ताज़ा सुबह की सैर और डॉ फारूक अब्दुल्ला साहब से मिलकर भी खुशी हुई।'

रिजिजू ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने आश्चर्यजनक प्राकृतिक परिवेश और उनके बीच हुई सार्थक बातचीत का वर्णन किया, जिसने इसे एक यादगार और विशेष सुबह बना दिया। पोस्ट में लिखा है, 'प्रकृति अपने सबसे बेहतरीन रूप में है और गर्मजोशी और दूरदर्शिता से भरी बातचीत, यह वास्तव में एक विशेष सुबह है।' हालांकि, इसको लेकर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भड़क गई हैं। उन्होंने कहा कि आज जो कुछ हुआ, उससे मैं बहुत दुखी हूँ। कश्मीर के लोगों ने आज जो कुछ देखा, वह बहुत दर्दनाक है। मुजफ्फरनगर में नमाज के दौरान काली पट्टी बांधने पर मुसलमानों पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आज देश में मुसलमानों की यही हालत है।

पूर्व सीएम ने कहा कि एनआरसी लाने के बाद मुसलमानों को यह साबित करना पड़ेगा कि वे देश के मूल निवासी हैं, अब उन्हें अपनी कब्रों के बारे में भी साबित करना होगा। वक्फ की संपत्तियां मुसलमानों के लिए एक सहारा थीं, अब उन्हें भी छीना जा रहा है। हमें जम्मू-कश्मीर सरकार से उम्मीद थी कि वे इसका मुखर विरोध करेंगे और फिर इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला जो देश के प्रमुख नेताओं में से हैं, वे सभी नेताओं को विरोध के लिए बुला सकते थे, हम भी शामिल होते, लेकिन आज क्या हुआ? हमने उनके बेटे, जम्मू-कश्मीर के सीएम को ट्यूलिप गार्डन में उस मंत्री (किरेन रिजिजू) के साथ घूमते देखा, जिन्होंने देश के मुसलमानों की गर्दन पर तलवार लटकाने का काम किया।

श्रीनगर में ट्यूलिप गार्डन एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है, जो करीब 30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह ज़बरवान रेंज की तलहटी में स्थित है, जहाँ से डल झील का नज़ारा दिखाई देता है। इस गार्डन को 2007 में कश्मीर घाटी में फूलों की खेती और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खोला गया था। ट्यूलिप फेस्टिवल एक वार्षिक उत्सव है जिसका उद्देश्य बगीचे में फूलों की विविधता को प्रदर्शित करना है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय संसदीय मामलों और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के साथ श्रीनगर में लोक संवर्धन पर्व का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय चुनौतियों को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक विरासत का जश्न मनाया गया।

देर रात लगातार तीन धमाकों से दहला बटाला, हैप्पी पशियां ग्रुप ने ली जिम्मेदारी

बटाला। पंजाब के बटाला जिले के थाना किला लाल सिंह के पास रविवार देर रात करीब 12:35 बजे लगातार तीन तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। धमाकों की गूंज इतनी तीव्र थी कि इलाके में सो रहे लोग घबराकर उठ गए। पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार फिलहाल इन धमाकों से क्या जान-माल को नुक्सान हुआ है, इसकी कोई सूचना नहीं है। वहीं दूसरी तरफ धमाकों की सूचना मिलते ही डीएसपी फतेहगढ़ चूड़ियां विपन कुमार और थाना प्रभारी प्रभजोत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। थाने के एसएचओ प्रभजोत सिंह के अनुसार, धमाकों के बाद थाने में तैनात पुलिसकर्मी तुरंत सतर्क हो गए और बाहर निकलकर जांच की, लेकिन वहां कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। हालांकि, देर रात हुए धमाकों की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से हैप्पी पशियां ग्रुप ने ली है। पोस्ट में हैप्पी पशियां, मनु अगवान, और गोपी नवांशहरिया ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए लिखा कि यह हमला पुलिस द्वारा पीलीभीत और बटाला में मुठभेड़ में मारे गए उनके साथियों की मौत का बदला है। फिलहाल पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है और इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरे घटनाक्रम को लेकर उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। साथ ही पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट की भी जांच कर रही है ताकि दोषियों तक जल्द पहुंचा जा सके।

भारत माता की जय कहने वाले मुसलमानों का संघ की शाखा में स्वागत है: मोहन भागवत

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस शाखा में हर किसी का स्वागत है बशर्ते व्यक्ति खुद को भारतीय मानता हो और भारत माता के प्रति सम्मान रखता हो। उन्होंने कहा कि शाखाएं उन सभी का स्वागत करेंगी जो 'भारत माता की जय'' नारे और 'भगवा झंडा' का सम्मान करते हैं। हम आपको बता दें कि मोहन भागवत इस समय वाराणसी के दौरे पर हैं। संघ प्रमुख वाराणसी शहर के मलदहिया के लाजपत नगर पार्क में आरएसएस की शाखा में शामिल होने पहुंचे। स्वयंसेवकों ने उनसे सवाल पूछा कि क्या वह अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा ला सकते हैं? इसका जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी भारत माता की जय कहता है, उसका देश भर की शाखाओं में स्वागत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शाखा उन लोगों के लिए नहीं है जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। उन्होंने कहा कि शाखा में जाति, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारतीयों की धार्मिक प्रथाएं भले ही अलग-अलग हों, लेकिन उनकी संस्कृति एक ही है। उन्होंने कहा कि भारत में सभी धर्मों, संप्रदायों और जातियों के लोगों का शाखाओं में स्वागत है। हम आपको यह भी बता दें कि लाजपत नगर में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से पहले भागवत ने शनिवार शाम को काशी के वैदिक विद्वानों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि देशभर में प्रतिदिन लगने वाली संघ की शाखाओं में विभिन्न आयु वर्ग के स्वयंसेवक एकत्र होते हैं। इस दौरान आरएसएस का ध्वज फहराया जाता है, प्रार्थना गीत गाया जाता है और शारीरिक व्यायाम आदि किये जाते हैं तथा बाद में चर्चा सत्र भी होता है।

वक्फ कानून जम्मू-कश्मीर विस से संबंधित मुद्दा नहीं, इसलिए चर्चा की जरुरत नहीं: सुधांशु

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हुए हंगामे पर बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि वक्फ बिल संवैधानिक रूप से स्थापित प्रक्रिया के तहत पारित हुआ है, लेकिन कुछ राज्य सरकारें हैं जो इसका विरोध कर रही हैं, चाहे वह तमिलनाडु सरकार हो या जम्मू-कश्मीर सरकार। इससे साफ पता चलता है कि उनके मन में संविधान के प्रति घोर अवमानना है। क्योंकि संविधान के मुताबिक कोई भी राज्य सरकार भारत की संसद द्वारा पारित किसी भी कानून का विरोध नहीं कर सकती है और जिस तरह के दृश्य जम्मू-कश्मीर विधानसभा में देखने को मिले अगर वह इसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि ये वे लोग हैं जिनके हाथों में संविधान खतरे में है।

बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने कहा कि यह वक्फ कानून संसद में पारित हो चुका है और चूंकि यह जम्मू-कश्मीर विधानसभा से संबंधित मुद्दा नहीं है, इसलिए इस पर चर्चा करने की कोई जरुरत ही नहीं है। तो नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस विधायक काले झंडे क्यों दिखा रहे हैं, वॉकआउट कर रहे हैं और कागज क्यों फाड़ रहे हैं?

उन्होंने कहा कि हम यहां जम्मू-कश्मीर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने, उद्योग लाने, नए होटल खोलने और यहां रोजगार पैदा करने के लिए काम करना चाहते हैं, लेकिन सीएम का रवैया देखें, जो इन मुद्दों पर बोलना नहीं चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने संबंधी

प्रस्ताव को नामंजूर किए जाने पर सोमवार को भारी हंगामा किया जिसके चलते कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई थी।

गृहमंत्री के दौर के बीच पाकिस्तान ने तोड़ा संघर्ष विराम, भारत ने भी दिया जवाब

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को एलओसी पर संघर्ष विराम तोड़ दिया। जिसका भारतीय सेना ने भी जवाब दिया। संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को पुंछ जिले के दिगवार सेक्टर में एलओसी पर संघर्ष विराम तोड़ दिया। यह तय करने के लिए कि पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में कोई घुसपैठ न हो, इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। इससे पहले 1 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले में एलओसी पर एक बारूदी सुरंग के धमाके के बाद बिना किसी कारण के गोलीबारी की और संघर्ष विराम तोड़ा।

सेना ने बयान में कहा कि भारतीय सैनिकों ने संतुलित और नियंत्रण तरीके से प्रभावी जवाब दिया। ऐसी खबरें हैं कि आतंकवादी जिनमें मुख्य रूप से विदेशी भाड़े के आतंकवादी शामिल हैं, पुंछ, राजौरी, कठुआ और किश्तवाड़ जिले के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय हैं। 23 मार्च को कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब भारतीय हिस्से में घुसपैठ करने वाले 5 आतंकवादियों की मुठभेड़ पुलिस से हुई थी। यह मुठभेड़ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 4 किलोमीटर अंदर सान्याल गांव में हुई थी। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए, जबकि चार पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे।

संयुक्त बलों ने बाकी तीन आतंकवादियों को ढूंढने के लिए कठुआ और राजौरी जिलों के ऊंचे इलाकों में अपना खोजो और खत्म करो अभियान तेज कर

दिया है। कठुआ जिले के बिलावर इलाके में पिछले शुक्रवार को आतंकवादियों और संयुक्त बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। जानकारी के मुताबिक कठुआ जिले के ऊंचे इलाकों का इस्तेमाल आतंकवादी राजौरी और पुंछ जिलों में घुसपैठ करने के लिए कर रहे हैं।

आतंकवादियों के हिट-एंड-रन हमलों को नाकाम करने के लिए सेना के करीब चार हजार विशेष प्रशिक्षित पैरा कमांडो को इन जिलों के घने जंगलों में तैनात किया गया। संयुक्त बलों की गतिविधियों के बाद आतंकवादी पुंछ, राजौरी और कठुआ जिलों में हिट-एंड-रन हमले नहीं कर पा रहे हैं, जैसा कि 2024 की आखिरी तिमाही में हुआ था।

पंजाब की पवित्र भूमि को नशे की गिरफ्त से बचाया जाएगा: गुलाब चंद कटारिया

- अमृतसर में राज्यपाल कटारिया का पैदल मार्च लगातार दूसरे ?दिन भी जारी रहा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार दूसरे दिन अमृतसर में आयोजित पैदल मार्च में उन्होंने कहा कि पंजाब की पवित्र भूमि, जो वीरता, बलिदान और देशप्रेम के लिए मशहूर है, उसे नशे की गिरफ्त से बचाया जाएगा और बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ पंजाब की चुनौती नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए खतरा बन चुका है। इसी के मद्देनजर पंजाब सरकार राज्य को नशा मुक्त करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने दुश्मन देशों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी बदस्तूर जारी है, लेकिन भारतीय सेनाएं इसे रोकने के लिए दिन-रात जुटी हुई हैं। राज्यपाल ने जिला प्रशासन द्वारा गांवों में गठित ग्राम स्तरीय रक्षा समितियों के

प्रयासों की प्रशंसा की। ये समितियां तस्करी पर लगाम लगाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जो बेहद सराहनीय है। पंजाब की भौगोलिक स्थिति इसे नशीली दवाओं की तस्करी के लिए संवेदनशील बनाती है। शत्रु देश इस कमजोरी का लाभ उठाकर मादक पदार्थ भेज रहे हैं। इसे रोकने के लिए सीमा पर ड्रोन-रोधी तकनीक स्थापित की गई है, और अब इनकी तादाद बढ़ाने की योजना है। पंजाब सरकार भी अपने स्तर पर ड्रोन-विरोधी प्रणाली लागू करने की कोशिश कर रही है। फतेहगढ़ चूड़ियां रोड के शहीद भगत सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज में आयोजित सभा में राज्यपाल ने युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने परिवेश को नशे से मुक्त करने में योगदान दें। पंजाब सरकार इन दिनों नशे के खिलाफ युद्धस्तर पर मुहिम चला रही है। हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की थी कि अगर कहीं पर कोई नशीला पदार्थ बेचता दिखे, तो फौरन उसकी जानकारी दें। उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

बांग्लादेश ले रहा झूठ का सहारा- फिलहाल भारत से संबंधों में सुधार होना कठिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोहम्मद यूनुस की हाल ही में हुई मुलाकात के बाद ये लग रहा था कि भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में सुधार होगा। लेकिन इसमें बांग्लादेश ने फिर से अड़चन डाल दी है। उसने पीएम मोदी और यूनुस की मुलाकात को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसका सच्चाई कोई वास्ता नहीं है। फिलहाल भारत से संबंधों में सुधार होना कठिन दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बैंकॉक में हुई बैठक के संबंध में बांग्लादेश की ओर से जारी बयान 'शरारतपूर्ण और राजनीति से प्रेरित' हैं, विशेष रूप से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध से संबंधित पहलू पर। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल

आलम ने शनिवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बैंकॉक में हुई बैठक में पीएम मोदी के समक्ष हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के अनुरोध को उठाया और 'प्रतिक्रिया नकारात्मक नहीं थी।' सूत्रों ने बैठक पर ढाका के आधिकारिक बयान और आलम के फेसबुक पोस्ट को लेकर कहा कि यूनुस और पिछली बांग्लादेश सरकार के साथ संबंधों के बारे में भारतीय प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का वर्णन 'गलत' था। अपने पोस्ट में आलम ने दावा किया कि पीएम मोदी ने कहा था, हमने आपके (यूनुस) प्रति उनका (हसीना का) अपमानजनक व्यवहार देखा। सूत्रों ने कहा कि पीएम मोदी ने यूनुस द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर यह कहते हुए प्रतिक्रिया दी थी कि इन मुद्दों पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा अच्छी चर्चा की जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की चर्चा की।

तीन महीने में तीसरी बार बिहार पहुंचे राहुल, कन्हैया कुमार की यात्रा में हुए शामिल, बीजेपी ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को बेगूसराय में कांग्रेस की छात्र शाखा (एनएसयूआई) की 'पलायन रोको नौकरी दो' रैली में शामिल हुए। रैली का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता बाद में पटना में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी तीन महीने में तीसरी बार सोमवार को बिहार पहुंचे, क्योंकि पार्टी इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ईबीसी, दलित और मुस्लिम वोटों को एकजुट करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रही है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वह बिहार के बेगूसराय जाएंगे, जहां वह यात्रा निकालेंगे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बिहार के युवा साथियों, मैं 7 अप्रैल को बेगूसराय आ रहा हूं, पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने। लक्ष्य है कि पूरी दुनिया को बिहार के युवाओं की भावना दिखे, उनका संघर्ष दिखे, उनका कष्ट दिखे। आप भी White T-Shirt पहन कर आइए, सवाल पूछिए, आवाज़ उठाइए - सरकार पर आपके अधिकारों के लिए दबाव बनाने के लिए, उसे हटाने के लिए। आइए, हम मिलकर बिहार को अवसरों वाला राज्य बनाएं। कन्हैया को खास तौर पर तब बड़ी बढ़त मिल सकती है जब गांधी उनके गृहनगर में उनकी यात्रा में शामिल होंगे। उनके नेतृत्व के लिए पार्टी का जोर यह दर्शाता है कि वह अपने प्रमुख गठबंधन सहयोगी आरजेडी की छाया से बाहर आने की कोशिश कर रही है। बिहार में कांग्रेस के तीन सांसद और 19 विधायक हैं। कांग्रेस संविधान बचाओ बैठकों के माध्यम से ईबीसी, दलितों और मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, लेकिन मुख्य ध्यान ईबीसी पर ही है। बिहार की आबादी का 36.1 प्रतिशत हिस्सा ईबीसी है, जो राज्य का सबसे बड़ा सामाजिक समूह है। कांग्रेस ने संविधान बचाओ बैठकों में इस समूह के दलित नायकों को याद करने का एक बिंदु बनाया है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा ने कहा कि उनके बिहार आने से कोई असर नहीं पड़ेगा। वे आए हैं और भ्रम फैलाएंगे। बिहार में नीतीश कुमार और पीएम मोदी की सरकार है। उन्हें 'भगवा' रंग से नफरत है और इसलिए वे सफेद टी-शर्ट पहनते हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने तंज सकते हुए कहा कि राहुल गांधी बिहार आए हैं। वे जहां भी जाते हैं, सबसे पहले अपने गठबंधन और अपनी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं। यहां वे तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें खड़ी करने आए हैं...लालू जी की पार्टी ने जंगल राज स्थापित किया। बिहार की जनता ने भ्रष्ट

लोगों को नकार दिया है। वे विकास चाहते हैं।

समर वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं फ्लोरल लहंगे

गर्मी का मौसम शुरु हो गया है। इस मौसम में अगर आपको किसी शादी में जाना हो तो सबसे पहले मन में यही ख्याल आता है कि इतनी गर्मी में डीप कलर के हेवी लहंगे या साड़ियां पहनी कैसे जाएंगी। तो आपकी इस समस्या का हल है फ्लोरल लहंगे। लाइट और ब्राइट कलर्स के फ्लोरल लहंगे समर वेडिंग के लिए परफेक्ट चॉइस है।

ट्रडिशनल अवतार

लाइट पिंक कलर की चिकनकारी वर्क वाली स्कर्ट के साथ पतले स्ट्रैप वाली ब्लाउज और फ्लोरल दुपट्टा...यह लुक इस लुक को अपनी किसी दोस्त या रिश्तेदार के शादी में ट्राई कर सकती हैं।

लॉन्ग फ्लोरल लहंगे के लुक वाली स्कर्ट संग मैचिंग केप डिजाइन वाली क्रॉप टॉप और खुले बाल में बेहद खूबसूरत लगेंगी। ब्राइस्डमेड के तौर पर भी आप इस लुक को गर्मी के मौसम की शादियों में ट्राई कर सकती हैं।

ऑफ वाइट कलर का फ्लोरल लहंगा स्कर्ट, मैचिंग दुपट्टा और डीप ग्रीन कलर की ब्लाउज। गर्मियों में जब लाइट और ब्राइट कलर्स का ट्रेंड रहता है, ऐसे में यह लहंगा परफेक्ट चॉइस है।

सिंपल लुक

अगर आपको भी लाइट कलर्स पसंद हैं तो किसी दोस्त या रिश्तेदार की समर वेडिंग में इस लुक को ट्राई कर सकती हैं। पाउडर ब्लू कलर और पिंक कलर का यह लहंगा देखने में भले ही बेहद सिंपल हो लेकिन यह आपको अलग और डिफरेंट लुक देगा।

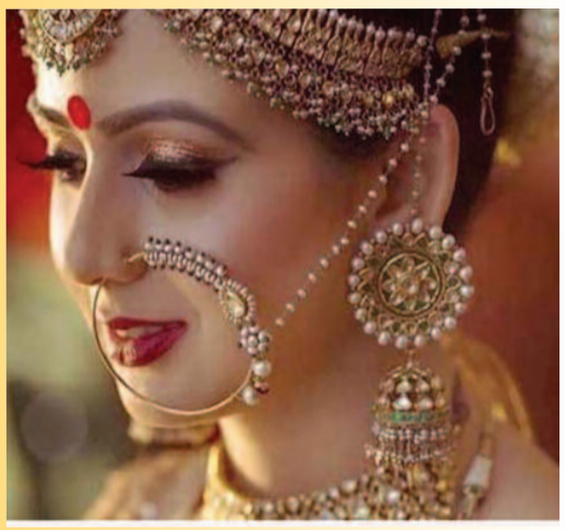

ब्राइडल लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

भारतीय दुल्हन के श्रृंगार में चार चांद लगाने का काम करती है नथ जो चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है। अगर आप भी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं तो नथ लेते समय इसके नए डिजाइंस के बारे में एक बार जरूर जान लें।

दुल्हन बनने की तैयारी कर रहीं हैं और कपड़ों के साथ ही सही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना जरुरी है। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको बाजार में मिल जाएंगे।

रिंग वाली नथ- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ- जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लंहगे के साथ पहन सकती है।

मल्टीपल चेन वाली नथ- अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ प्रयोग करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। इसके साथ हैवी मांगटीका भी बहुत अच्छा लगता है।

ब्रांज नथ- इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

हूप नथ- बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

त्वचा की हर समस्या का समाधान रखता है शहद, जानिए इसके फायदे

जब भी स्किन केयर की बात होती है तो हम नेचुरल आइटम्स पर अधिक फोकस करना पसंद करते हैं। इनसे स्किन को किसी भी तरह के नुकसान होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरी ओर यह नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हर तरह की स्किन के लिए अच्छे माने जाते हैं। इन्हीं स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स में से एक है शहद। शहद को लंबे समय से कभी स्किन केयर पैक तो कभी यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें गजब के मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो आपकी स्किन को अधिक स्वस्थ और बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद से स्किन को मिलने वाले कुछ गजब के फायदों पर चर्चा कर रहे हैं-

मिलती है ग्लोइंग स्किन

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली हेल्दी व ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो इसके लिए शहद से अधिक बेहतर उपाय और कोई नहीं है। शहद में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं और यह उपयोग के बाद यह आपके फेस पर चमक के साथ-साथ नमी भी बनाए रखता है। रूखी स्किन की महिलाएं तो इसे इस्तेमाल करती हैं ही, साथ ही साथ यह ऑयली, एक्ने और अन्य स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है।

निशानों को करे हल्का

शहद में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो घाव भरने और निशानों को मिटाने में मदद करते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन पर किसी तरह के निशान को हल्का करना चाहते हैं तो ऐसे में शहद के इस्तेमाल से वह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। आप एक्ने के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए शहद का इस्तेमाल स्पॉट ट्रीटमेंट के रूप में कर सकते हैं।

एजिंग के साइन्स को करे रिवर्स

अगर आप अपनी स्किन को अधिक लंबे समय तक जवां-जवां बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं। शहद चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं की उपस्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर होती है, जिससे वह जवां और चमकदार दिखती है। आप हर सप्ताह शहद का मास्क लगा सकती हैं और अपनी स्किन को अधिक यंगर बना सकती हैं।

सनबर्न से राहत

अगर आपकी स्किन पूरे दिन धूप में रहने के कारण डैमेज हो रही है तो ऐसे में शहद आपकी मदद कर सकता है। धूप से झुलसी त्वचा के कारण स्किन में रेडनेस, सूखापन और जलन महसूस होती है। ऐसे में अपनी स्किन को ठंडक प्रदान करने के लिए आप एक भाग कच्चे शहद को दो भाग एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें और सीधे प्रभावित जगह पर लगाएं। याद रखें कि आप मिश्रण को रगड़ें नहीं, बल्कि इसकी लेयर लगाकर ऐसे ही छोड़ दें। यह उपाय ना केवल सनबर्न से राहत दिलाएगा, बल्कि आपकी स्किन के रंग-रूप में भी सुधार करने में मदद करेगा।

खूबसूरत बाल के लिए अपनायें ये उपाय

आजकल प्रदूषण और सही डाइट ना लेने के कारण कम उम्र में ही बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर आप बालों की समस्याओं से राहत पा सकती हैं। कई बार ध्यान न देने की वजह से लोगों के बाल रूखे-सूखे और बेजान होने के साथ कम उम्र में ही झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपने बालों को फिर से लंबे और खूबसूरत बनाने के लिए आयुर्वेद नुस्खे अपना सकती हैं।

मेथी दाना- मेथी दाने में भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन सी पाया जाता है। इसमें प्रोटीनऔर निकोटीन एसिड भी पाया जाता है, जिससे झड़ते बालों की समस्या दूर हो जाती है। स्कैल्प हेल्दी रहती है और बाल डैमेज नहीं होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में भी मेथी दाना शामिल कर सकते हैं। रात में 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगो दें। अगली सुबह वो पानी पी लें। बचे हुए मेथी दाने को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को जड़ों में लगाकर 20 मिनट बाद बाल धोलें। बाल जल्दी घने, लंबे और मजबूत बनेंगे।

आंवला- डाइट में विटामिन सी की कमी के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। लेकिन आंवले के सेवन और बालों में आंवले के तेल से मालिश करने से बालों की सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही बाल लंबे समय तक काले रहते हैं।

दही- दही में कूलिंग प्रॉपर्टीज होने के साथ प्रोटीन भी पाया जाता है। प्रोटीन स्कैल्प की हेल्थ और नए फोलिसल्स की ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बालों पर दही से मसाज करें और 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। बालों पर दही लगाने से बाल मजबूत होने के साथ कोमल और मुलायम भी बनते हैं।

बालों के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए छाछ, दालचीनी, तरबूज, अंगूर आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। इनके सेवन शरीर को जरूरी पोषक मिलते हैं, जो बालों को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत

गर्मी के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट- डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती - गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट- इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट- धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

अक्षरा सिंह को नहीं लोगों की परवाह, कहा- एक ही जिंदगी है, खुलकर जियो

अक्सर कोई काम करते वक्त लोग चार लोगों का ख्याल रखते हैं। चार लोग यानी समाज। सामान्य लोग नहीं, बल्कि फिल्मी हस्तियों को भी इस बात की चिंता सताती है कि चार लोग क्या कहेंगे? मगर, अक्षरा सिंह अब इससे आगे निकल चुकी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी जिंदगी का फलसफा शेयर किया है, जो दूसरों के भी काम आ सकता है। अक्षरा ने बताया कि अब उन्हें चार लोगों की परवाह नहीं।

अक्षरा ने बताया कि अब उन्हें चार लोगों की परवाह नहीं। अक्षरा सिंह ने वीडियो शेयर किया है। ब्लू कलर के आउटफिट में वे काफी स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। काला चश्मा चढ़ाते हुए वे तेवर दिखा रही हैं। वीडियो में लिखा है, चार लोग क्या कहेंगे अब उससे डर नहीं लगता, डर तो ये है कि उन चार लोगों को मैं कुछ न कह दूं। इसके साथ अक्षरा ने कैप्शन लिखा है, क्या बोलती पब्लिक? एक ही जिंदगी है खुल के जियो और जीने दो।

यूजर्स ने जताई सहमति

अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर यूजर्स के रिएक्शन नजर आ रहे हैं और अभिनेत्री का यह जीवन मंत्र सभी को काम का लग रहा है। अधिकांश यूजर्स ने अक्षरा की बात पर सहमति जताई है। एक यूजर ने लिखा, अक्षरा भोजपुरी इंडस्ट्री में वाइल्ड फायर हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, खुलकर जियो और दूसरों को भी कुछ न बोलो, तब भी लोग जीने नहीं देते हैं दीदी। एक यूजर ने लिखा, शेरनी।

निरहुआ के साथ आएंगी नजर

अक्षरा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने साल 2010 में फिल्म सत्यमेव जयते से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म में रवि किशन लीड रोल में नजर आए। अदाकारी के साथ-साथ अक्षरा अपनी सुरीली आवाज के दम पर भी इंडस्ट्री में राज कर रही हैं। अक्षरा सिंह की आगामी फिल्म चार फेरे सात वचन है, जिसमें वे दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

शोभिता धुलिपाला के हाथ लगा बड़ा रोल, फिल्म में फहद फासिल की भी एंट्री

शोभिता धुलिपाला ने कई हिंदी, तेलुगु, मलयालम और तमिल फिल्मों में काम किया है, जिनमें गुडाचारी से लेकर मेजर, पोन्नियिन सेलवन 1, पोन्नियिन सेलवन 2 और द नाइट मैनेजर जैसी फिल्में और सीरीज शामिल हैं। अब वहीं शोभिता एक और अनाम तमिल फिल्म के लिए कमर कस रही हैं, जिसमें उनके साथ कई अभिनेताओं की टुकड़ी नजर आएगी।

शोभिता का मिली बड़ी फिल्म

एक खबर के मुताबिक, शोभिता धुलिपाला तमिल मशहूर डायरेक्टर पा. रंजीत की नई फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में दिनेश मुख्य अभिनेता होंगे और आर्या विलेन का किरदार निभाएंगे। अभी इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन इसमें अशोक सेलवन और फहाद फासिल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शोभिता का करियर

शोभिता धुलिपाला एक भारतीय सुपरमॉडल, पूर्व मिस अर्थ इंडिया और अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हिंदी, मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। शोभिता ने इकोनॉमिक्स में मास्टर्स की डिग्री ली है। मॉडलिंग से शोभिता ने अपना करियर शुरू किया था। 2013 में उन्होंने मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीता था। शोभिता को 2016 में बॉलीवुड फिल्म रमन राघव 2.0 में अभिनय किया।

शोभिता की शादी

शोबिता धुलिपाला ने साउथ अभिनेता नागा चैतन्य से शादी की है। हालांकि, यह चै की दूसरी शादी है। चै की पहली शादी साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु से हुई थी। सामंथा से तलाक के बाद ही नागा ने शोभिता से दूसरी शादी की है।

एक बड़े बजट की कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आए कार्तिक आर्यन और करण जौहर

कार्तिक आर्यन और करण जौहर एक बार फिर साथ काम करने के लिए तैयार हैं, और इस बार, वे निर्माता महावीर जैन के साथ एक महत्वाकांक्षी कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आ रहे हैं। हाल ही में कार्तिक और करण ने रोमांटिक कॉमेडी तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग शुरू की थी, और अब यह जोड़ी एक हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म के लिए साथ आ रही है, जो हंसी, सरप्राइज और शानदार विजुअल्स से भरपूर होगी। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन फुकरे फ्रेंचाइजी के निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा करेंगे। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, मृगदीप सिंह लांबा लंबे समय से इस हाई-कॉन्सेप्ट कॉमेडी पर काम कर रहे हैं, और इसे एक ट्राइलॉजी के रूप में बनाया जा रहा है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे। करण को यह कॉन्सेप्ट बेहद पसंद आया और उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट को बड़े पर्दे के लिए प्रोड्यूस करने के लिए हामी भर दी। इस स्क्रिप्ट में हर वर्ग के सिनेमा प्रेमियों से जुड़ने की क्षमता है। फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है, और टीम इसकी भव्यता और विजुअल अपील पर काम कर रही है ताकि इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बनाया जा सके। फिल्म की अवधारणा को लेकर सूत्र ने आगे बताया, यह सिर्फ एक कॉमेडी से कहीं बढ़कर है, क्योंकि मेकर्स इसे बड़े स्केल और शानदार विजुअल्स के साथ दर्शकों को चौंकाने के इरादे से बना रहे हैं। फिलहाल फिल्म की प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया चल रही है और यह सितंबर 2025 में फ्लोर पर जाएगी। प्रोजेक्ट के पैमाने को देखते हुए, निर्माता 2026 में रिलीज़ की उम्मीद कर रहे हैं। इस सहयोग से कार्तिक आर्यन की फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि वह लगातार खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित कर रहे हैं, खासकर कॉमेडी शैली में। करण जौहर के लिए भी यह फिल्म उनके बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के तहत एक और रोमांचक प्रोजेक्ट साबित होगी, जहां वह कॉमेडी जॉनर को एक नए दृष्टिकोण से एक्सप्लोर कर रहे हैं। वहीं, मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में, जो पहले भी दर्शकों को पसंद आने वाली एंटरटेनिंग फिल्में दे चुके हैं, इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। जैसे-जैसे इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, दर्शक इसकी स्टारकास्ट, कहानी और मेकर्स द्वारा पेश किए जाने वाले सरप्राइज से जुड़ी अधिक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

ट्रोलिंग से अब कोई फर्क नहीं पड़ता

सारा अली खान को अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोल किया जाता है। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनका मानना है कि नेगेटिविटी को सिर्फ मेडिटेशन से ही कम किया जा सकता है। सारा अली खान ने बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि वह सोशल मीडिया ट्रोलिंग को कैसे डील करती हैं और उससे कैसे डील करती हैं? सारा ने ट्रोलिंग को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे मेरे धर्म को लेकर भी ट्रोल्स किया जाता है, लोग कहते हैं कि तुम मुस्लिम हो और हिंदू मंदिरों में जाती हो। लेकिन मुझे अब इन सब बात से फर्क पड़ना बंद हो गया है। मुझे ट्रोलिंग से डील करने में सबसे ज्यादा हेल्प मेडिटेशन करता है। मुझे मेडिटेशन से यह पता चलता है कि क्या रियल है और क्या नहीं। मेरे लिए समस्या कभी भी ट्रोलिंग नहीं थी, मेरा यह सोचना था कि मैं ही सबसे अच्छी हूं। अब, मैंने यह सोचना ही बंद कर दिया है। सारा ने आगे कहा, 'मैं एक एक्टर के रूप में अभी भी टॉप पर नहीं हूं। कुछ लोग कुछ कलाकारों को पसंद करते हैं, और कुछ को नहीं। एक एक्टर के रूप में मुझे अभी काफी लंबा सफर तय करना है। अभी एक लंबी लाइफ है, अभी काफी कुछ करना है।'

केसरी 2 में दिग्गज वकील सी. शंकरन नायर के किरदार में दिखेंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' का ट्रेलर जारी हो गया है। जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार पर आधारित इस फिल्म में अक्षय दिग्गज वकील सी. शंकरन नायर के किरदार में दिखेंगे। यहां जानिए कौन हैं सी शंकरन नायर। 11 जुलाई 1857 को जन्मे शंकरन नायर ने 1877 में मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से आर्ट की डिग्री ली और मद्रास लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1880 में शंकरन नायर ने मद्रास हाईकोर्ट से अपनी वकालत शुरू की। 1887 में शंकरन नायर को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। 13 अप्रैल 1919 को जब जलियांवाला बाग में भीषण नरसंहार हुआ और अंग्रेजों ने देशवासियों पर गोलीबारी की तब शंकरन नायर शिक्षा मंत्री और वायसराय की कार्यकारी परिषद में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि थे। यह घटना शंकरन नायर के जीवन में सबसे अहम मोड़ लेकर आई। इसके बाद उन्होंने वायसराय की कार्यकारी परिषद से इस्तीफा दे दिया। अंग्रेजों ने इस घटना के तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया था। इसके बाद शंकरन नायर ने अंग्रेजों की इस क्रूरता को उजागर करने की ठानी। उन्होंने अदालत में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध अकेले लड़ाई लड़ी। नायर ने कोलोनियल ऑफिसर पर अपनी प्रशासनिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल करने और अत्याचार बढ़ाने का आरोप लगाया।

हंसल मेहता ने बांधे कंगना की तारीफों के पुल

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत और फिल्म मेकर हंसल मेहता के बीच बीते दिनों सोशल मीडिया पर कहासुनी हुई। दरअसल, स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा की महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों आमने-सामने आए। दोनों के फैंस भी आपस में भिड़े। अब इस पूरे मामले के कुछ दिन बाद ही हाल ही में हंसल मेहता ने कंगना की दिल खोलकर तारीफ की है। दरअसल, हंसल मेहता विवादित टिप्पणी मामले में कुणाल कामरा का बचाव करते दिखे। इसके बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू किया और पूछा कि जब कंगना के दफ्तर पर बुलडोजर चला था तब वे कहां थे? इस पर हंसल मेहता ने कहा, क्या उनके घर तोड़फोड़ हुई थी, क्या गुंडे उनके घर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे इसके बारे में बताए। शायद मैं तथ्य नहीं जानता। इस पर कंगना रनौत ने हंसल मेहता को जवाब दिया और याद दिलाया कि उन्हें भी आपत्तिजनक शब्द बोले गए थे।

कैमरे के सामने उनका जादू चलता है

कंगना से सोशल मीडिया पर तकरार के कुछ दिनों बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अभिनेत्री की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वे कंगना की प्रतिभा के कायल हैं। हंसल मेहता ने कहा कि वे कंगना के कायल हैं। वे उनकी स्क्रीन प्रिजेंस को पहचानते हैं। हंसल मेहता ने माना कि कैमरे के सामने कंगना की उपस्थिति जादुई होती है। हंसल मेहता ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा। हंसल ने कहा, मैं उनकी अदाकारी का कायल हूं। मैं उनकी प्रतिभा का वर्णन नहीं कर सकता, बस कैमरा उनसे प्यार करता है। यहां तक कि वे भी नहीं जानतीं कि वे कैमरे के सामने क्या जादू कर सकती हैं।

सिमरन में किया है साथ काम

हंसल मेहता ने कंगना को लेकर आगे कहा, हमारी बनती नहीं थी, हमारी नहीं बनी, होता है। मेरी अपनी एक्स वाइफ के साथ भी नहीं बनी। लेकिन वे मुझसे बेहतर इंसान हैं। हंसल मेहता ने कंगना रनौत के साथ फिल्म सिमरन (2017) में काम किया है। उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन किया। फिल्म निर्माता ने एक बार घोषणा की थी कि कंगना के साथ फिल्म करना उनकी भारी गलती थी। फिल्म के निर्माण के बाद हंसल और कंगना के बीच अनबन हो गई थी। हालांकि, इस टिप्पणी के बाद भी उन्होंने कंगना की तारीफ की थी। अब सोशल मीडिया पर हुई कहा-सुनी के बाद भी वे कंगना की तारीफों के पुल बांधते दिखे हैं।

फिल्म फौजी में प्रभास के साथ नजर आ सकती है दिशा पाटनी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच उनकी एक और फिल्म फौजी को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में प्रभास की जोड़ी उनकी फिल्म कल्कि 2898 एडी की एक अभिनेत्री के साथ नजर आएगी। एक खबर के मुताबिक, फौजी एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। फौजी में प्रभास और दिशा पाटनी एक साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म से पहले प्रभास और दिशा की जोड़ी को प्रशंसकों ने कल्कि 2898 एडी में खूब पसंद किया था। बहरहाल, इस फिल्म का आधिकारिक नाम अभी तक तय नहीं हुआ है, तब तक इस फिल्म का संभावित नाम फौजी है।
वैसे इस फिल्म में दो अभिनेत्रियों के होने की बात सामने आई है, जिसमें इमानवी इस्माइल का नाम पहले से ही शामिल है और अब उनके अलावा इस फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर दिशा पाटनी का नाम शामिल हो गया है। बहरहाल, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673